अशोका एक्सप्रेस

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

निर्वाण प्राप्त गीता भारती

Member : CNSI, Delhi

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती

प्रबंधक :- सज्जन सिंह

Phone : 9810674206

● वर्ष: 26 ● अंक : 30 ● नई दिल्ली ● 16 से 22 अगस्त 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

नई दिल्ली में अमेरिकी कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को किया संबोधित

कहा- भारत ने चुनौतियों को अवसरों में बदला है

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 77वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन हम सब के लिए गौरवपूर्ण और पावन है. उन्होंने कहा, 'चारों ओर उत्सव का वातावरण देखकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है.' राष्ट्रपति ने कहा, 'स्वतंत्रता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम केवल एक व्यक्ति ही नहीं हैं, बल्कि हम एक ऐसे महान जन-समुदाय का हिस्सा हैं जो अपनी तरह का सबसे बड़ा और जीवंत समुदाय है. यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिकों का समुदाय है.' उन्होंने आगे कहा, 'जाति, पंथ, भाषा और क्षेत्र के अलावा, हमारी अपने परिवार और कार्य-क्षेत्र से जुड़ी पहचान भी होती है. लेकिन हमारी एक पहचान ऐसी है जो इन सबसे ऊपर है, और हमारी वह पहचान है, भारत का नागरिक होना. 'हम सभी, समान रूप से, इस महान देश के

नागरिक हैं. हम सब को समान अवसर और अधिकार उपलब्ध हैं तथा हमारे कर्तव्य भी समान हैं.' उन्होंने कहा, 'गांधीजी तथा अन्य महानायकों ने भारत की आत्मा को फिर से जगाया और हमारी महान सभ्यता के मूल्यों का जन-जन में संचार किया. सरोजिनी नायडू, अम्मू स्वामीनाथन, रमा देवी, अरुणा आसफ़ अली और सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिला विभूतियों ने अपने बाद की सभी पीढ़ियों की

■ राष्टपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, स्वतंत्रता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम केवल एक व्यक्ति ही नहीं हैं. राष्टपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, स्वतंत्रता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम केवल एक व्यक्ति ही नहीं हैं.

महिलाओं के लिए आत्म-विश्वास के साथ, देश तथा समाज की सेवा करने के प्रेरक आदर्श प्रस्तुत किए हैं.' आज महिलाएं विकास और देश सेवा के हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर योगदान दे रही हैं तथा राष्ट्र का गौरव बढ़ा रही हैं. आज हमारी महिलाओं ने ऐसे अनेक क्षेत्रों में अपना विशेष स्थान बना लिया है जिनमें कुछ दशकों पहले उनकी भागीदारी की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी. मैं सभी देशवासियों से आग्रह करती हूँ कि वे महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता दें. मैं चाहूंगी कि हमारी बहनें और बेटियाँ साहस के साथ, हर तरह की चुनौतियों का सामना करें और जीवन में आगे बढ़ें. भारत, पूरी दुनिया में, विकास के लक्ष्यों और मानवीय सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. चूंकि जी20 समूह दुनिया की दो-तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए यह हमारे लिए वैश्विक प्राथमिकताओं को सही दिशा में ले जाने का एक अद्वितीय अवसर है. देश ने चुनौतियों को अवसरों में बदला है और प्रभावशाली जीडीपी ग्रोथ भी दर्ज की है. मुश्किल दौर में भारत की अर्थव्यवस्था न केवल समर्थ सिद्ध हुई है बल्कि दूसरों के लिए आशा का स्रोत भी बनी है. वंचितों को वरीयता प्रदान करना हमारी नीतियों और कार्यों के केंद्र में रहता है. परिणामस्वरूप पिछले दशक में बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकालना संभव हो पाया है.

अगर प्रियंका गांधी वाराणसी से चुनाव लड़ें तो पीएम मोदी को हरा सकती है : संजय राउत

मुंबई । प्रियंका गांधी वाड्रा क्या चुनावी अखाड़े में उतरेंगी...? रॉबर्ट

वाद्रा ने हाल ही में कहा कि उनकी पत्नी प्रियंका गांधी बहुत अछी सांसद साबित होंगी. अब शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) नेता संजय राउत ने दावा किया है कि अगर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ती हैं, तो वह निश्चित रूप से जीत हासिल करेंगी. संजय राउत से जब प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, वाराणसी के लोग प्रियंका गांधी को चाहते हैं. अगर प्रियंका गांधी वाराणसी से पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ती हैं, तो वह निश्चित रूप से जीत हासिल करेंगी. वाराणसी के लोग प्रियंका गांधी को चाहते हैं. भाजपा के लिए रायबरेली, वाराणसी और अमेठी की चुनावी लड़ाई मुश्किल साबित हो सकती है. वहीं, शरद पवार और अजित पवार की मीटिंग को लेकर संजय राउत ने कहा कि अगर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिल सकते हैं, तो शरद पवार और अजित पवार क्यों नहीं? राज्य में शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस की सहयोगी राकांपा के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा था कि उनकी पार्टी भाजपा के साथ नहीं जाएगी. हालांकि, उनके कुछ शुभचिंतक उन्हें मनाने का प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा था कि अगर उनके भतीजे अजित पवार उनसे मुलाकात करते हैं तो इसमें गलत क्या है.

हिमाचल में पिछले 24 घंटे में 50 की मौत

शिमला में शिव मंदिर से 8 बॉडी निकाली, सोलन में एक ही परिवार के 7 लोगों की जान गई

शिमला।

हिमाचल प्रदेश में दो दिन से तेज बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटे में लैंडस्लाइड, बादल फटने और बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में 50 लोगों की जान चली गई है। मौसम विभाग ने राज्य में 16 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। शिमला के समरहिल इलाके में स्थित शिव बावड़ी मंदिर भारी बारिश की वजह से भूस्खलन की चपेट में आ गया। 25 से ज्यादा लोग मलबे में दब गए। अब तक 2 बच्चों समेत 8 शव निकाले जा चुके हैं। बाकी की तलाश जारी है। लगातार हो रही बारिश की वजह से मंदिर में रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत हो रही है। पहाड़ी से अभी भी पत्थर गिर रहे हैं। मंदिर के ऊपर मलबे के साथ चार से पांच पेड़ आ गिरे। इससे ज्यादा नुकसान हुआ है। SDRF, ITBP, पुलिस और स्थानीय लोग रेस्क्यू में जुटे हुए हैं।

जेसीबी मशीन से मलबा हटाया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में बारिश का कहर सोमवार को भी जारी है अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी

। शिमला के समर हिल इलाके में शिव मंदिर के मलबे में 15 लोगों के दबे होने की आशंका है। सावन का महीना होने के कारण हादसे के वक्त मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बताया कि समर हिल इलाके में एक शिव मंदिर और फागली इलाके में एक अन्य स्थान पर भूस्खलन हुआ और मलबे से नौ शवों को बाहर निकाला गया है। फागली इलाके में कई मकान मिट्टी में धंस गए। भारी बारिश के मद्देनजर सभी स्कूल और कॉलेज को सोमवार को बंद रखने का आदेश दिया गया है। राय के आपात अभियान केंद्र के अनुसार, आपदा के कारण राय में 752 सड़कें बंद कर दी गयी हैं। सोलन जिले के जादोन गांव में बादल फटने से रविवार रात को एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गयी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जिले में बादल फटने के बाद दो मकान बह गए। हादसे में छह लोगों को बचा लिया गया जबकि सात अन्य की मौत हो गयी। सुक्खू ने 'एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, ''शिमला से परेशान करने वाली खबर सामने आयी है जहां भारी बारिश के कारण समर हिल में शिव मंदिर ढह गया। अभी तक नौ शव बरामद किए गए हैं। स्थानीय प्रशासन लोगों को बचाने के लिए मलबा हटाने का काम कर रहा है। ओम शांति। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, ''विनाशकारी बारिश से शिमला के समरहिल इलाके में शिव मंदिर के समीप भूस्खलन हुआ जिसमें कई लोग मलबे में दब गए। कुछ लोगों की मौत हो गयी है। मैं घटनास्थल पर मौजूद हूं। मलबे में दबे लोगों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

बिहार में जातीय गणना पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगाने के आदेश देने से किया इनकार

नई दिल्ली। बिहार में जातीय गणना पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगाने के आदेश देने से इनकार कर दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई टाल दी है. अब इस मामले की सुनवाई 18 अगस्त को होगी. याचिकाकर्ता द्वारा सर्वे पर अंतरिम रोक लगाने की मांग सुप्रीम कोर्ट में की गई थी. लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिना दोनों पक्षों की बात सुने हम कोई आदेश नहीं दे सकते हैं.

इस मामले पर दाखिल की गई दूसरी याचिकाएं भी 18 अगस्त को लिस्टेड है, इसलिए सभी को एकसाथ सुनेंगे. एनजीओ एक सोच एक प्रयास की ओर से पटना हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई है. पटना हाई कोर्ट ने बिहार सरकार को राहत देते हुए राज्य में जातीय गणना कराने को मंजूरी दी है. हाईकोर्ट ने अपने एक अगस्त के फैसले में बिहार सरकार के जातिगत जनगणना को सही ठहराया था. साथ ही जातीय गणना के खिलाफ दायर सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया था. इसी फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में

अर्जी लगाई गई है, जिस पर अब 18 अगस्त को सुनवाई होगी. बिहार सरकार मामले कैविएट दाखिल कर चुकी है. जाति आधारित गणना के दूसरे चरण के दौरान, प्रत्येक जाति को उपयोग के लिए एक संख्यात्मक कोड दिया गया है. विभिन्न जातियों को कुल 215 कोड आवंटित किए गए थे और इस प्रारूप में थर्ड जेंडर को भी जाति के रूप में मानते हुए इनके लिए भी एक अलग जाति कोड वर्णित किया गया है. राय सरकार ने जनवरी में दो चरण का जाति सर्वेक्षण शुरू किया था और मई में अदालत द्वारा प्रक्रिया पर रोक लगाने से पहले अंतिम चरण का लगभग आधा काम पूरा कर लिया था.

शरद पवार की भतीजे अजीत पवार से गुपचुप मुलाकात, कांग्रेस हुई चौकन्ना

मुंबई । एनसीपी के मुखिया शरद पवार और उनके बागी भतीजे अजीत पवार की गुपचुप मीटिंग के मुद्दे पर राहुल गांधी खुद शरद पवार और उद्धव ठाकरे से बात करेंगे. महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि शरद पवार और अजीत पवार की गुपचुप मीटिंग से काफी भ्रम पैदा हो गया है. उन्होंने कहा कि दोनों के बीच अगर पारिवारिक मीटिंग है, तो घर पर मिलें. किसी बिजनेस-मैन के बंगलो पर क्यूं मिले? मुलाकात के बाद क्यों अजीत पवार अपनी ही कार में छुप कर निकले? नाना पटोले ने कहा कि हमारी भूमिका है की हम सब साथ चले, साथ काम करे. नाना पटोले ने कहा कि कल हमने कल उद्धव ठाकरे से भी बात की है. अब राहुल गांधी इस मुद्दे के बारे में दोनों नेताओं से बात करेंगे. जिससे की सब कुछ साफ हो जाए. इससे पहले महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने राय के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे से मुलाकात करने के बारे में कहा था कि '31 अगस्त और 1 सितंबर को होने वाली

भारत गठबंधन की बैठक की तैयारी के बारे में विस्तृत चर्चा हुई. इसमें इस बात पर चर्चा हुई कि कैसे सरकारी अस्पताल में निर्दोष लोग मर रहे हैं. किसानों की मृत्यु दर बढ़ रही है और महंगाई बढ़ रही है.

शरद पवार के बारे में फैलाई जा रही गलतफहमी पर चर्चा हुईज्हमने शरद पवार से इस पर चर्चा नहीं की है. संजय राउत उनसे बात करेंगे। वहीं शिवसेना के नेता संजय राउत ने कहा कि 'ज्शरद पवार और अजित पवार की मुलाकात के बाद फैलाई जा रही अफवाहों पर चर्चा हुई. ये अफवाहें चिंताजनक हैं.

हम इस बारे में शरद पवार से बात करेंगेज' जबकि महाराष्ट्र के सोलापुर में एनसीपी चीफ शरद पवार ने बीजेपी से दूरी का ऐलान करते हुए कहा कि ज्इस संबंध में, हम बहुत स्पष्ट हैं कि चाहे वह सत्ता में हो या विपक्ष मेंज हम (एनसीपी के दोनों गुट) जब साथ थे या जब कभी साथ होंगे, एक बात तो साफ है कि बीजेपी की सोच और विचारधारा हमारे ढांचे में फिट नहीं बैठती।

सम्पादकीय

आक्रामक होता एक वर्ग

केरल का नाम केरलम करने का प्रस्ताव राज्य विधानसभा ने पारित कर दिया है। सर्वसम्मति से पारित इस प्रस्ताव पर केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन ने कहा कि इस राज्य को मलयालम में केरलम ही कहा जाता है। अग्रिम कार्रवाई के लिए यह प्रस्ताव केंद्र के पास भेज दिया गया है। राज्यों, क्षेत्रों, नगरों और महानगरों के नाम परिवर्तन के प्रस्ताव बहुधा आते रहते हैं। बंगाल सरकार ने भी राज्य का नाम बदलकर बांग्ला करने का प्रस्ताव पारित कर रखा है। केरल का नाम भी 1956 से पहले त्रावणकोर-कोचीन था। तमिलनाडु का नाम मद्रास राज्य था। कर्नाटक का नाम मैसूर राज्य था। उड़ीसा की जगह ओडिशा हुआ है। नार्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (नेफा) का नाम अरुणाचल प्रदेश किया गया। पोंडिचेरी भी पुदुचेरी हो गया। बंगलोर का नाम 2006 में बेंगलुरु हुआ। मुंबई शहर लंबे समय बांबे कहा जाता था। केरल के त्रिवेंद्रम का नाम 1991 में तिरुअनंतपुरम हुआ। कलकत्ता को कोलकाता हुए बहुत समय नहीं बीता। मद्रास का नाम चेन्नई हुआ। पंजाब का नाम 1950 के पहले पूर्वी पंजाब था। उत्तर प्रदेश का नाम 1950 के पहले संयुक्त प्रांत था। नाम परिवर्तन नई बात नहीं है। सांस्कृतिक-राजनीतिक कारणों से ऐसे नाम परिवर्तन चला करते हैं। नामकरण में बहुधा संस्कृति, सभ्यता एवं इतिहास के प्रेरक तत्व होते हैं। कई देशों के नाम भी परिवर्तित हुए हैं। अमेरिकी राजधानी का नाम प्रथम राष्ट्रपति वाशिंगटन की स्मृति में रखा गया था। ईरान का नाम पर्शिया था। यहां पर्शियन साम्राज्य की स्थापना हुई। बाद में पर्शिया की जगह देश का नाम ईरान हो गया। म्यांमार पहले बर्मा था। जार्डन पहले ट्रांस जार्डन था। यह नाम जार्डन नदी से संबंधित बताया जाता है। कंबोडिया पहले कंपूचिया था। श्रीलंका ब्रिटिश काल में सीलोन था। 1972 में रिपब्लिक आफ श्रीलंका हुआ। 1978 में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ श्रीलंका हुआ। नाम महत्वपूर्ण है। नाम और रूप मिलकर परिचय बनते हैं। ऋग्वेद के ज्ञान सूक्त में कहा गया है कि, 'किसी पदार्थ का नाम रखकर परिचय करना ज्ञान की शुरुआत है। वास्तविक ज्ञान शब्द अर्थ के गर्भ में छुपा रहता है। ज्ञानी जन तप बल से वाणी का अभिप्राय प्राप्त करते हैं।' राज्यों और बड़े केंद्रों के नामकरण एवं नाम परिवर्तन के पीछे सांस्कृतिक इतिहास भी होते हैं। केरलम के संबंध में भी यही स्थिति है। केरलम नाम से राज्य के वाम विचार वाले मुख्यमंत्री का लगाव दिखाई पड़ता है। नाम को लेकर भारत और सारी दुनिया में गहन आकर्षण है। भले ही शेक्सपियर ने कहा हो कि नाम में क्या रखा है, लेकिन सच्चाई यही है कि नाम से फर्क पड़ता है। इतिहासकार विक्रम संपत ने सावरकर पर किताब लिखी है। सावरकर हिंदुत्व नाम को लेकर आग्रही थे। पुस्तक के अनुसार सावरकर ने शेक्सपियर के कथन पर व्यंग्य किया, 'नाम में क्या रखा है? क्या अयोध्या को होनोलुलू कह सकते हैं? अमेरिकियों को कहिए कि वाशिंगटन को चंगेज खां पुकारें या किसी मुस्लिम को खुद को यहूदी बुलाने पर राजी करिए।'

फ़ियर ऑफ़ एनेमीज़: राजनीति का दंगाई समाजशास्त्र

कल्पित दुश्मन का भय अक्सर सत्ता की बाजीगरी का अहम् फैक्टर होता है। मौजूदा भारतीय राजनीति में इस फैक्टर को आसानी से देखा-समझा जा सकता है कि कैसे एक कौम को दुश्मन बना और बता सत्ता की चाभी हासिल की जा रही हैं। वैसे तो फ़ियर ऑफ एनेमीज़ एक ग्लोबन फेनोमेना है, जिसका इस्तेमाल वैश्विक स्तर पर भी देखा जाता है। लेकिन इसे हम भारतीय सन्दर्भ में देखने और जांचने की कोशिश करेंगे और यह देखेंगे कि पिछले कुछ सालों में यह थ्योरी किस तरह खुल कर आजमाई गयी। लेकिन फ़ियर ऑफ एनेमीज़ के अत्याधिक इस्तेमाल के साथ एक चेतावनी भी जुड़ी है। मसलन, अगर आप इसका कभी-कभार की जगह बार-बार और हर जगह इस्तेमाल करेंगे तो संभव है कि यह अपना असर खो दे। और ठीक ऐसा ही होता दिखा मेवात क्षेत्र में जहां भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद बहुसंख्यक समुदाय के आम लोगों की तरफ से न सिर्फ उस हिंसा की कड़ी निंदा हुई बल्कि उस हिंसा को फ़ैलाने से भी रोकने की ईमानदार कोशिश होती दिखी। एक तरफ जहां जाट महासभा के सचिव युद्धवीर सिंह ने कहा,जाट समाज सेक्युलर है। हम किसी की गलत बात को सपोर्ट नहीं करेंगे। मेवात में अगर सरकार ने वक्त रहते कदम उठाया होता, तो हिंसा टाली जा सकती थी। वहीं, सर्वखाप पंचायत के कोऑर्डिनेटर डॉ. ओम प्रकाश धनखड़ ने मेवातियों को अपना भाई बताते हुए अपने लोगों से उनके खिलाफ हिंसा में शामिल नहीं होने की अपील कर डाली। उन्होंने यह भी कहा कि यह हिंसा प्रायोजित है। सवाल है कि बहुसंख्यकों की तरफ से ऐसे बयान क्यों आए? तो इसका एक सरल उत्तर यह है कि पिछले दिनों किसान आन्दोलन हो या पहलवानों का आन्दोलन, दोनों को सरकारों ने फ़ियर ऑफ एनेमीज़ थ्योरी के सहारे डील करने की कोशिश की। एक को खालिस्तानी आतंकी बताया तो दूसरे आन्दोलन पर भी कई तरह के आरोप लगाए गए। और जैसा कि इस थ्योरी के साथ यह खतरा है, इसके अत्याधिक इस्तेमाल से इस्तेमालकर्ता एक्सपोज होने लगता है, लोग सच्चाई समझने लगते हैं और अंततः यह कल्पित भय अपना असर खोने लगता है। हावर्ड के पॉलिटिकल साइंस के प्रोफेसर इवानिस एवरीजेनिस अपनी किताब ÷फ़ियर ऑफ एनेमीज़ एंड कलेक्टिव एक्शन में लिखते हैं,राजनीतिक समूह को एक ऐसे दुश्मन की तलाश होती है, जिसे दिखा कर वो अपने अस्तित्व को बरकरार रखना चाहते है। ये लोगों के ध्यान को भटकाने के लिए भी जरूरी है। एक तरफ कई समूह अच्छे काम के लिए साथ आते है, लेकिन कभी-कभी कुछ निगेटिव फीचर्स भी होते है, जो एक समूह को अपनी पहचान बनाने के लिए जरूरी होते हैं। ये खेल बहुत बडे पैमाने पर होता है। एक राष्ट्र को किसी दुश्मन के भय के इर्दगिर्द काफी मजबूती से एकजुट करने की कोशिश की जाती है। बहरहाल, इसे ऐसे समझा जा सकता है कि अमेरिका पिछले 70 सालों में कभी नाजी, कभी कम्युनिस्ट और कभी आतंकवाद के नाम पर मनमाने ढंग से एकतरफा अपने दुश्मन चिह्नित करता रहा है। इराक का विध्वंस और सद्दाम हुसैन का अंत भी इसी थ्योरी के तहत किया गया। हालांकि, जब डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में आए तो नस्लीय भेद के आधार पर भी दुश्मन निर्मित किए गए और ऐसे ही दुश्मनों के चारों तरफ सत्ता का चक्र घुमाया जाता रहा। मानो, बिना दुश्मन के अमेरिका का अस्तित्व कुछ है ही नहीं। सोवियत यूनियन के टूटने के बाद कहा गया कि ये एंड ऑफ हिस्ट्री है, लेकिन नए दुश्मन बनाने का चक्र थमा नहीं। नया दुश्मन बना ताकि समूह को एकजुट रखा जा सके। यह किताब आगे बताती है कि जैसे ही इस दुश्मन की पहचान हो जाती है, राजनीति हमें हम बनाम 'वे÷ में बांट देती है। ये वे आमतौर पर तिरस्कृत समूह ही होता है। फ़ियर ऑफ एनेमीज़ थ्योरी सत्ता की सनातन साजिश रही है। अब इस थ्योरी को भारत के सन्दर्भ में देखे। 2004 से 2014 तक, हमारा दुश्मन आतंकवाद था, जिससे हम लडते थे। लेकिन 2014 के बाद, दुश्मन का स्थानीयकरण हो गया। एक बड़े समूह को ये दिखाया जाता है कि भारत की समस्त समस्या के लिए एक खास समुदाय ही जिम्मेदार है। ये समुदाय विश्वसनीय नहीं है। ये हमारे विकास में भी बाधक है। ये थ्योरी इतनी कारगर साबित हुई कि अब देश की मूलभूत समस्याओं से लड़ने के बजाए हम एक कल्पित और स्वनिर्मित दुश्मन से लड़ने में व्यस्त हैं। यह पुस्तक उस चीज की जांच करती है कि आखिर वह क्या है जो अलग-अलग और अक्सर परस्पर विरोधी हितों वाले व्यक्तियों को एक साथ मिलकर एकजुट होकर काम करने के लिए प्रेरित करता है?

बाहरी खतरों के डर पर आधारित, यह पुस्तक नकारात्मक संगति (निगेटिव एसोसिएशन) का सिद्धांत देती है जो मेरे दुश्मन का दुश्मन मेरा दोस्त है कहावत पर आधारित है। व्यक्तिगत और समूह पहचान के निर्माण में भय और शत्रुता की भूमिका पर ध्यान केंद्रित यह पुस्तक बताती है कि बाहरी खतरों का डर राजनीतिक समूहों के गठन और संरक्षण का एक अनिवार्य तत्व है। इस निगेटिव एसोसिएशन के कारण ही विभिन्न सामाजिक स्थितियों से जुड़े लोग भी साथ आ जाते है, जैसे गोरक्षा के नाम पर पहलू खान जैसे लोगों की हत्या हो जाती है। मणिपुर में भी इसी थ्योरी की भूमिका है, जहां बहुसंख्यकों के बीच यह परसेप्शन फैलाया जाता है कि एक ख़ास समुदाय किस तरह धर्मांतरण के बाद हमारे लिए खतरा बन चुका है या कि कैसे वे बाहरी लोग है और उन्होंने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है।

बहरहाल, इस थ्योरी ने भारत की मौजूदा केन्द्रीय सत्ता को चुनावी फ़ायदा तो पहुंचाया है लेकिन इससे एक ऐसी सामाजिक संरचना विकसित हुई है जो अब दुश्मन को एक ऑब्जेक्ट भर समझने लगी है। यानी, ÷फ़ियर ऑफ एनेमीज़ के अत्याधिक इस्तेमाल का एक सबसे बड़ा खतरा इस रूप में सामने आया है मानो शेर को मानव खून का स्वाद लग गया हो। मसलन, फिर वह हिंसक भीड़ यह नहीं देखती कि पालघर में मारा जा रहा शख्स किस धर्म का है या बुलंदशहर में सुबोध सिंह नाम का इन्स्पेक्टर किस समुदाय से आता है? इन उदाहरणों से हम यह भी समझ सकते है कि ÷फ़ियर ऑफ एनेमीज़ का जब ज्यादा इस्तेमाल होता है तब निगेटिव एसोसिएशन की ताकत और अधिक बढ़ जाने की संभावना रहती है और फिर कल्पित दुश्मन के निर्णय का अधिकार अकेले सत्ताधारियों का नहीं रह जाता। वैसी स्थिति में यह निगेटिव एसोसिएशन और अधिक खतरनाक साबित हो सकती है। यदि हमारी राजनीति में नैतिकता नहीं है तो यह एक वैक्यूम क्रिएट करती है। इस वैक्यूम को फिर शब्दाडंबरों से भरा जाता है, जैसे राष्ट्रवाद। यह भारत ही नहीं, मौजूदा वक्त में दुनिया की समस्या है, सरल शब्द में वर्ल्ड नैरेटिव। रॉबर्ट बी. रिच की किताब द कॉमन गुड ग्लोबलाइजेशन के बाद की असमान दुनिया की कहानी कहती है। रिच, बिल क्लिंटन के समय अमेरिका के श्रम मंत्री थे। वे कहते हैं, कॉमन गुड आज कोई फैशनेबल आइडिया नहीं रहा। रिच का कॉमन गुड क्या है? एक नागरिक के तौर पर हम दूसरे नागरिक के साथ किस प्रकार का मूल्य साझा करते है, जहां दोनों समाज में एक साथ बन्धे हुए है। एक भारतीय (अमेरिकन की जगह भारतीय) के तौर पर हमें क्या चीज एकजुट करती है? न तो हमारा जन्म, न हमारी एथिनिसिटी, बल्कि हमारा मूल विचार और सिद्धांत। ये विचार और सिद्धांत क्या है? ये है, रूल ऑफ लॉ और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति हमारा आदर, हमारे मतभेदों और विभिन्नताओं को ले कर हमारी सहनशीलता। समान अवसर और समान राजनीतिक अधिकार में हमारा विश्वास है। अनियंत्रित सत्ता और लाभ की चाहत राजनीति में कॉरपोरेट पूंजी के प्रवाह को बढ़ाती है। नतीजतन, असमानता और पूंजी सत्ता को नियंत्रित करने लगती है।

ये पूंजी हर जगह है। ये फिर अपने लाभ के लिए काम करती है। आखिर समाधान क्या है? लीडरशीप को ट्रस्टीशीप में बदल दीजिए। कॉरपोरेट की जिम्मेदारी मुनाफाखोरी से आगे तय कर दीजिए।

नौकरशाही को राजनीति से अलग कर दीजिए। रिच कहते हैं कि ट्रंप इसलिए गलत नहीं है कि उन्होंने राजनीतिक प्रक्रिया को बदल दिया या अमेरिकंस को बांट दिया या मूर्खतापूर्ण व्यवहार किया। गलत ये किया कि राष्ट्रपति बनने के लिए ट्रंप ने अमेरिकन लोकतंत्र की प्रक्रिया और संस्थान का त्याग कर दिया। यहीं आकर हमें इस चीज को भारतीय सन्दर्भ में देखने की आवश्यकता है। लोकतंत्र की प्रक्रिया और लोकतांत्रिक संस्थान सबसे महत्वपूर्ण है। अपने आसपास नजर दौड़ाइए, देखिए कि हमारे लोकतांत्रिक संस्थान अभी कितने मजबूत है, कितने कमजोर?

आम आदमी क्या करे? कोरोना में जो बचत आई थी काम, उसे भी खाने लगी महंगाई

फिल्म 'पीपली लाइव' का यह गीत काफी लोकप्रिय हुआ था। इस गीत के माध्यम से प्रमुख सामाजिक आर्थिक समस्या महंगाई पर लोगों का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया गया था। आज एक बार फिर महंगाई आम आदमी को रुला रही है। सब्जी हो या फल या फिर अनाज, दालें और मसालें, हर चीज महंगी होती चली जा रही है। रेट बढ़ जा रहे हैं या फिर पैकेट छोटे हो जा रहे हैं। टमाटर की महंगाई से आम जनता पहले ही परेशान थी। अब तेल, गैस व मसालों से लेकर मिर्च, जीरा-प्याज, लहसुन तक के दाम आसमां की ओर हैं। ऐसे में लोग सब्जी और रेसिपी में टमाटर व जीरे आदि में कटौती करने को मजबूर हैं। लेकिन इतने पर भी महंगाई को लेकर सरकार एक-दूसरे को कोसने के अलावा कुछ नहीं कर रही है। कोई कहता है पुराने दिन भले थे, कोई अच्छे दिन की ढांढस बंधाता रह जाता है। लेकिन समस्या जस की तस मुंह बाये खड़ी है और आम आदमी पिस रहा है। हालात ये हो गए हैं कि जेब ढीली करने के साथ महंगाई, अब आम आदमी की जमा पूंजी यानी बैंक आदि की बचत और इंवेस्टमेंट को भी निगलने में लगी है। बढ़ती महंगाई में ग्लोबल एनालिटिक्स कंपनी एक रिपोर्ट जारी की है जिसके अनुसार भारतीय रसोई में वेजिटेरियन और नॉन वेज दोनों थालियों के दाम कई गुणा बढ़ चुके हैं। बढ़ते टमाटर अदरक मसालों जैसी जरूरी चीजों के दाम एक आम आदमी की जेब पर कैसे और कितने भारी पड़ रहे हैं, इस रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है। ष्टत्रह्वस्ढ्ढरुकी रिपोर्ट के मुताबिक, वेज थाली जहां 34 फीसदी महंगी हुई है। वहीं, नॉन वेज थाली 13 फीसदी तक महंगी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक बढ़ते टमाटर के दाम महंगी हुई थाली के पीछे की मुख्य वजह है। जुलाई में टमाटरों के बढ़ते दामों की वजह से थाली तीन बार महंगी हुई है। 34 फीसदी महंगी हुई वेज थाली में 25 फीसदी दाम बढ़ने की वजह टमाटर है। टामटर के दाम जुलाई में 233 फीसदी तक बढ़े हैं। टमाटरों का दाम जुलाई में 33 रूपये किलो से 210 रूपये किलो हो गया है। इसके अलावा प्याज और आलू के दामों में भी बढ़ोत्तरी हुई है। प्याज 16 फीसदी और आलू 9 फीसदी महंगे हुए हैं। मसालों में मिर्च और जीरे के दाम आसमान छू रहे है। मिर्च 69त्न और जीरा 160त्न महंगा हुआ है। क्योंकि नॉन वेज थाली मे ब्रॉयलर 50 फीसदी से ज्यादा थाली का हिस्सा है। इसी वजह से नॉन वेज थाली पर जुलाई के महीने में महंगाई का असर 13त्न पड़ा है। यही नहीं, टमाटर की कीमतों में महीने भर से जारी तेजी के बीच थोक व्यापारियों ने आने वाले दिनों में इस सब्जी के भाव 300 रुपये प्रति किलो तक पहुंच जाने की आशंका जताई है। दूसरी ओर दुकानदार और रेहड़ी पटरी वाले परेशान हैं। आजादपुर कृषि उपज विपणन समिति (एपीएमसी) के सदस्य अनिल मल्होत्रा ने कहा कि बाजार में टमाटर की आपूर्ति और मांग दोनों कम है जिससे विक्रेताओं को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। दूसरा, मंडी से महंगी सब्जी न खरीद पाने की बेबसी को लेकर एक फेरीवाले का वीडियो पिछले दिनों खासा वायरल हुआ था। CRISIL थाली की कीमत का आंकलन पूर्व, उत्तर, पश्चिम, दक्षिण, की कीमतों के आधार पर करता है। दामों में महीने के दौरान आने वाला बदलाव आम आदमी के खर्च पर निर्भर करता है। सिर्फ यही नहीं थाली कीमत दालों, अनाज, सब्जी, मसाले, तेल, और एडिबल ऑयल और कुकिंग गैस के दामों पर भी निर्भर करता है। वेज थाली में आलू, प्याज, टमाटर, दाल, दही और सलाद जैसी चीजों को काउंट किया गया है। वहीं नॉन वेज थाली में दालों की जगह चिकन को काउंट किया जाता है। वहीं मिर्च के दामों में 69 प्रतिशत और जीरे के दामों में 160 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। हालांकि इनका थाली में योगदान कम होता है, इसलिए इनकी कीमत को भी कम स्तर पर आंका जाता है। रसोई (थाली) महंगी होने से आम आदमी की जेब ढीली हो ही रही थी लेकिन अब महंगाई आपकी बचत और आपके इंवेस्टमेंट को भी निगलने लगी है। जी हां, महंगाई जहां महीने का बजट बिगाड़ देती है, वहीं लंबी अवधि के निवेश में आपके पैसे की वैल?यू कम कर देती है। महंगाई दर जितनी ज्यादा रहेगी, आपके निवेश की वैल्यू उतनी ही तेजी से घटेगी। जीबिज के अनुसार, एक बेहद ही आसान फॉर्मूला (रूल ऑफ 70) के जरिए आप इसका अंदाजा लगा सकते हैं। आपके निवेश की वैल्यू कितने समय में घटकर आधी रह जाएगी, यह जानने का आसान तरीका यह है कि 70 में मौजूदा महंगाई दर का भाग दीजिए, जो रिजल्ट आता है, वही वह साल होगा जिसमें आपके निवेश की वैल्यू घटकर आधी जाएगी। इसे उदाहरण से समझते हैं- मान लीजिए अभी महंगाई दर 6 फीसदी चल रही है। अब रूल ऑफ 70 के मुताबिक हम 70 में 6 का भाग देते हैं। रिजल्ट 11.6 साल आता है। यानी, अगर आपने 10 लाख रुपये का निवेश किया है तो उसकी वैल्यू अगले 11 साल 6 महीने में घटकर 5 लाख यानि आधी रह जाएगी। भले महंगाई को लेकर लोग सड़कों पर ना हों लेकिन देश के मध्यम और निम्न मध्यम श्रेणी के लोग यानी आम आदमी महंगाई से परेशान हैं। इसी साल अप्रैल में, पीडब्ल्यूसी ग्लोबल कंज्युमर इनसाइट्स पल्स का एक सर्वे आया था। इसके मुताबिक़ छोटे ही नहीं, बड़े शहरों के लोग भी अगले छह महीने तक खर्च को लेकर चिंतित रहेंगे। इसके अनुसार 74 प्रतिशत भारतीय निजी खर्च कम करने और बचत को बढ़ाने के लिए लालायित हैं। दरअसल कोरोना में इसी बचत ने लोगों को बचाया था आगे भी यही बचत बचाएगी। दैनिक भास्कर की मधुरेंद्र सिन्हा की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत और चीन दुनिया में दो ऐसे देश हैं जिसके लोग हजारों वर्षों से बचत करते रहे हैं। अपनी मेहनत की कमाई में से एक हिस्सा वे बचाकर रखते थे जो उनके बुरे वक्त या फिर सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वाह में काम आता था। यही नहीं, आपने मिट्टी के हांडियों में सोने के सिक्के पाये जाने की कई खबरें सुनी होंगी या फिर ज़मीन में गड़े धन के बारे में जरूर पढ़ा होगा। लेकिन मध्य काल के बाद जब अंग्रेज आये और उन्होंने अपने डेढ़ सौ साल के शासन में भारतीय अर्थव्यवस्था को लूटकर बर्बाद कर दिया जिससे भारतीयों की परचेजिंग पॉवर और इनकम दोनों ही निम्नतम स्तर पर जा पहुंची। लेकिन आज़ादी के बाद जब नई बैंकिंग व्यवस्था आई तब भारतीय बचत खाता के माध्यम से पैसे बचाने लगे। करोड़ों लोग बुढ़ापे के लिए तो काफी बड़ी तादाद में अपने घर की जिम्मेदारियों के लिए बचाने लगे। बेटे-बेटी की शादी के लिए बचत करना तो आदत का हिस्सा बना रहा है।

लेकिन संभावित विपदा के लिए बचत करना उनकी आदत का हिस्सा रहा है और इसलिए सोना खरीदने की परंपरा यहां सदियों से रही है। इस तरह की बचत उनके कठिन वक्त में बहुत काम आई है। 2020 में जब कोरोना संकट ने करोड़ों लोगों को बेरोजगार कर दिया और करोड़ों की आय में कमी कर दी। ऐसे बुरे समय में यही बचत का पैसा काम आया। उस पैसे की बदौलत लोगों ने अपने घर चलाये और रोटी का जुगाड़ भी किया। बचत का पैसा उनके लिए ऑक्सीजन बना। कोरोना काल खत्म हो गया फिर भी देश में बचत का वह स्तर नहीं रहा और लोगों की बचत की आदत कम होती चली गई। एक सर्वे के मुताबिक भारत में 50 फीसदी लोग शून्य से 20 फीसदी तक बचत कर रहे हैं और 20 फीसदी अपनी 20 से 30 फीसदी तक बचत कर लेते हैं। सर्वे के मुताबिक कोरोना के बाद लोगों में संकट के प्रति चिंता हुई और सर्वे में भाग लेने वाले 54 फीसदी लोग आसन्न संकट के प्रति सावधान होकर वैसे समय के लिए बचत करने लगे हैं। लेकिन मिलेनियम यानी 35 साल से कम उम्र के लोग बचत के बारे में नहीं सोचते। हालांकि एक और रिपोर्ट के मुताबिक देंखे तो देश में बचत की स्थिति अभी नाजुक है और 31 मार्च 2022 तक के आंकड़ों के मुताबिक इस समय देश में बचत पांच वर्षों के न्यूनतम पर जा पहुंची है। हालांकि इसका कारण भी कोविड को ही बताया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें।

कंगना के साथ अभी काम करता तो ताने सुनने पड़तेः सांसद चिराग पासवान बोले- नेपोटिम के मुद्दे पर कंगना हर रोज मेरी क्लास लगातीं

सांसद और पूर्व अभिनेता चिराग पासवान ने कंगना रनोट के साथ 2011 में एक फिल्म में काम किया था। चिराग ने कहा कि वे बहुत शुक्रगुजार हैं कि उन्होंने कंगना के साथ बहुत पहले काम कर लिया था। अगर उन्होंने इस वक्त कंगना के साथ काम किया होता, तो हर रोज नेपोटिम के बारे में सुनना पड़ता। चिराग ने कहा कि कंगना जिस तरह नेपोटिम का मुद्दा उठाती हैं, वे हर रोज उनकी क्लास लगातीं। चिराग ने कहा कि नेपोटिम से आपको प्लेटफॉर्म मिल सकता है, लेकिन सफलता मिलेगी कि नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है। चिराग पासवान ने कंगना रनोट के साथ फिल्म मिले न मिले हम में काम किया था। उन्होंने BRUT INDIA के साथ बातचीत में कहा- थैंक गॉड, यह फिल्म मैंने उस वक्त की। आज कर रहा होता तो कंगना जिस तरीके से नेपोटिम का इश्यू हाईलाइट करती हैं, मेरी तो रोज क्लास लगती। नेपोटिम पर बोलते हुए चिराग ने आगे कहा- इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप सुपरस्टार के बेटे हो या प्राइम मिनिस्टर के। अगर आपको लोग पसंद नहीं कर रहे हैं तो इसका कोई मतलब नहीं है। एक बड़ी पर्सनैलिटी का बेटा होना या बेटी होना आपका सौभाग्य हो सकता है, लेकिन काबिलियत नहीं। चिराग से पूछा गया कि उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री क्यों छोड़ दी। जवाब में चिराग ने कहा- मैंने नहीं छोड़ा। बॉलीवुड ने मुझे छोड़ दिया। मुझे लगता है कि मैं बॉलीवुड के लिए बना ही नहीं था। लोग आपको चढ़ा देते हैं कि अच्छा दिखते हो, अच्छा बोलते हो। तुम्हें बिल्कुल फिल्म इंडस्ट्री में ट्राई करना चाहिए। चिराग यहां कहना चाहते हैं कि उनका रुझान कभी फिल्म इंडस्ट्री की तरफ नहीं था। आस-पास के लोगों ने उन्हें एक्टिंग में आने के लिए मजबूर किया। यही वजह थी कि चिराग यादा दिन फिल्म इंडस्ट्री में टिक नहीं पाए। फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने के बाद उन्होंने राजनीति का रुख किया। जो सफलता उन्हें इंडस्ट्री में नहीं मिली, वो सफलता उन्हें राजनीति के मैदान में मिल गई। वे लगातार दो बार से बिहार की जमुई लोकसभा सीट से सांसद हैं। उनके पिता रामविलास पासवान बिहार के कद्दावर नेता थे। वे कई बार केंद्रीय मंत्री भी रहे। 2020 में उनका निधन हो गया।

एक्टिंग से निशब्द करने में माहिर हैं कुंडली भाग्य की प्रीता, दो बार दिल टूटने के बाद लिए थे सात फेरे

टीवी की दुनिया में उनका नाम सातवें आसमान पर है. आलम यह है कि वह छोटे पर्दे की हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस में भी शुमार हैं. बात हो रही है सीरियल कुंडली भाग्य में प्रीता का किरदार निभाने वाली श्रद्धा आर्या की, जिन्होंने 17 अगस्त 1987 के दिन इस दुनिया में अपना पहला कदम रखा था. बर्थडे स्पेशल में हम आपको श्रद्धा की जिंदगी के चंद पन्नों से रूबरू करा रहे हैं. दिल्ली में जन्मी श्रद्धा आर्या आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. श्रद्धा की शुरुआती पढ़ाई-लिखाई दिल्ली में ही हुई, लेकिन उन्होंने इकॉनमिक्स में मास्टर्स की डिग्री यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई से हासिल की. इसके बाद श्रद्धा ने एक्टिंग की दुनिया की तरफ कूच कर दिया. श्रद्धा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2006 के दौरान तमिल मूवी कलवानिन कडाली से की थी. इसके बाद उन्होंने राम गोपाल वर्मा की फिल्म निशब्द से बॉलीवुड डेब्यू किया. साथ ही, शाहिद कपूर की फिल्म पाठशाला में भी नजर आईं. हालांकि, बॉलीवुड के साथ-साथ वह तेलुगू इंडस्ट्री में भी हाथ आजमाती

रहीं. साल 2011 के दौरान श्रद्धा आर्या ने टीवी की दुनिया में सीरियल मैं लक्ष्मी तेरे आंगन की से डेब्यू किया. इसके बाद वह सीरियल तुम्हारी पाखी में पाखी का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हो गईं. श्रद्धा ने ड्रीम गर्ल, बॉक्स क्रिकेट लीग 2, मजाक मजाक में और नच बलिए 9 में भी अपनी अदाकारी का जादू दिखाया. हालांकि, उन्हें शोहरत की बुलंदियों पर सीरियल कुंडली भाग्य ने पहुंचाया, जिसमें वह डॉ. प्रीता अरोड़ा लूथरा का किरदार निभाती हैं. श्रद्धा आर्या की लव लाइफ काफी उथलपुथल भरी रही. साल 2015 के दौरान उन्होंने एनआरआई जयंत रत्ती के साथ सगाई की, लेकिन यह रिश्ता शादी की दहलीज तक ही नहीं पहुंच पाया. दरअसल, आपसी तालमेल नहीं बैठने की वजह से श्रद्धा और जयंत ने रिश्ता तोड़ दिया था. इसके बाद श्रद्धा की जिंदगी में आलम सिंह मक्कड़ की एंट्री हुई. दोनों का रिश्ता इस कदर परवान चढ़ा कि उन्होंने 2019 के दौरान डांस रियलिटी शो नच बलिए में भी हिस्सा लिया. हालांकि, कुछ समय बाद यह रिश्ता भी खत्म हो गया. 16 नवंबर 2021 के दौरान श्रद्धा ने भारतीय नौसेना के अफसर राहुल नागल से शादी रचाई.

निहारिका रायजादा कहती हैं, मैं हमेशा प्यार में रहती हूं

अभिनेत्री निहारिका रायजादा ने खूबसूरत और हॉट जंगल फोटोशूट से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया, जिससे वह ब्लॉक की सबसे स्त्रद्गह्यद्बह्लद्गस्त्र अभिनेत्रियों में से एक बन गईं, लेकिन उनकी डेटिंग प्राथमिकताएं और प्रेम की परिभाषा आपके दिल को छू जाएगी। लक्ज़मबर्ग में जन्मी और पली-बढ़े, एक योग्य हृदय रोग विशेषज्ञ, स्वाभाविक सुंदरता और नृत्य और गायन के प्रति एक स्वस्थ जुनून, निहारिका को भारत ले आए और कुछ ही समय में उन्होंने मसान, टोटल धमाल, सूर्यवंशी और आईबी 71 जैसी फिल्मों से अपने प्रशंसकों को लुभाया। अपने हालिया साक्षात्कार के दौरान, निहारिका ने अपनी लव लाइफ, डेटिंग सीन, डेटिंग प्राथमिकताएं और बहुत कुछ के बारे में बात की। प्यार के बारे में बात करते हुए निहारिका ने कहा, निहारिका रायजादा हमेशा प्यार में रहती हैं, मैं भी लगातार प्यार में हूं, मैंने पहले भी कहा है, ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब मैं प्यार में नहीं होती। अगर मैं किसी रिश्ते में नहीं हूं, तो मैं दिन के अंत तक यह सुनिश्चित कर लेती हूं कि किसी तरह मैं रिश्ते में हूं, मुझे लगता है कि हर किसी व्यक्ति को रिश्ता रखना चाहिए क्योंकि एक बार जब आप रिश्ते में होते हैं, तो आप हमेशा खुश रहते हैं, आप हमेशा अच्छा महसूस करते हैं और मैं उस तरह की व्यक्ति हूं जो हर समय खुश रहने की कोशिश करती है। एक रिश्ता ज़रूरी है, और प्यार रोज़ होना चाहिए, हो सकता है कि यह लंबे समय तक न रहे, लेकिन आपको हमेशा फिर से प्यार ढूंढना होगा। प्यार आपकी दिनचर्या में होना चाहिए, जिस तरह आप उठते हैं, अपने दांत ब्रश करते हैं, खाते हैं, उसी तरह आपको दैनिक आधार पर प्यार करना चाहिए रायजादा ने कहा। जब निहारिका से उनकी डेटिंग प्राथमिकताओं के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मुझे लंबे लोग पसंद हैं, और वह धूम्रपान न करने वाला, शराब न पीने वाला और वो डोह द्यश1द्गह्ल होना चाहिए। मुझे बिल्ली प्रेमी विशेष रूप से भरोसेमंद नहीं लगते। मैं जानती हूं कि यह निर्णयात्मक लग सकता है, मेरे कुछ बिल्ली-प्रेमी मित्र हैं लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं कभी किसी के साथ डेट कर पाऊंगा। वही उसका तरीका है। मुझे लगता है कि मेरे लिए आदर्श साथी एक हृदय रोग विशेषज्ञ होगा, जो गा सके अपने टर्न-ऑन के बारे में बताते हुए, निहारिका ने कहा, अगर कोई मुझे कुछ ऐसा सिखा सकता है जो मैं नहीं जानती, या नहीं कर सकती, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ा टर्न-ऑन है, मैं संस्कृत और हिंदी तेज़ गति से पढ़ने में उतनी अच्छी नहीं हूं, इसलिए अगर कोई मुझे कविता सुना सकता है और हिंदी नाटक पढ़ सकता है तो मैं इससे बहुत उत्साहित हो जाउंगी ।

सुपरस्टार शाहरुख खान के करियर की सबसे महंगी फिल्म है जवान?

बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान इन दिनों अपनी मचअवेटेड फिल्म जवान को लेकर सुर्खियों में हैं। एसआरके की इस फिल्म को लेकर उनके फैंस काफी उत्साहित हैं, तो वहीं, फिल्म से जुड़ा कोई भी अपडेट उनकी एक्साइटमेंट को और बढ़ा देता है। फिल्म के प्रीव्यू और जिंदा बंदा गाने के बाद जवान का दूसरा गाना चलेया हाल ही में रिलीज किया गया था, जिसमें शाहरुख और नयनतारा रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे थे। वहीं, इस बीच फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। साउथ के जाने-माने फिल्म निर्देशक एटली कुमार के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को शाहरुख की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना जाता है। इसके साथ ही यह भी दावा किया जा रहा है कि जवान अभिनेता के करियर की सबसे महंगी फिल्म है। एक मीडिया संस्थान के रिपोर्ट के मुताबिक, जवान को 300 करोड़ रुपये की लागत से बनाने की बात कही जा रही है। जी हां, दावा किया गया है कि फिल्म 300 करोड़ रुपये के बजट पर बनी शाहरुख खान की अब तक की सबसे महंगी फिल्म है। रिपोर्ट की मानें तो टीम एक्शन सीन्स के लिए विशाल सेट बनाने में आगे बढ़ी और ग्रीनस्क्रीन प्रारूप को छोड़ दिया। एक्शन ब्लॉक्स को बड़े सेटअप में शूट किया गया है।

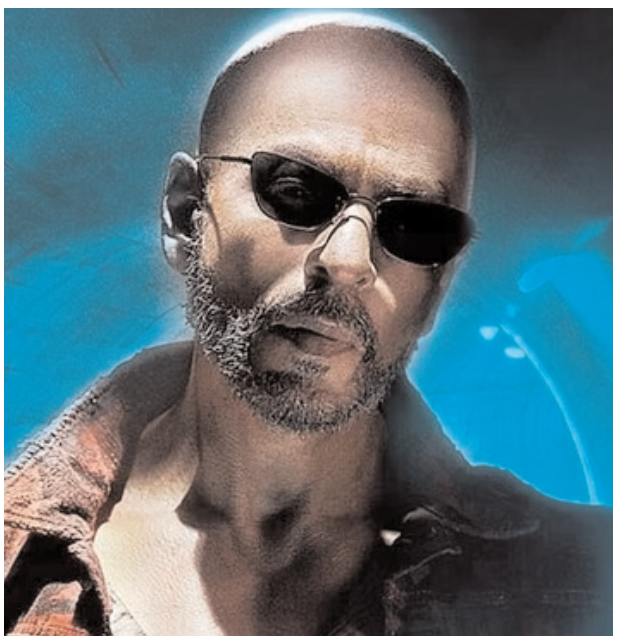

टीम ने इसे और अधिक शानदार बनाने के लिए पठान में इस्तेमाल किए गए ग्रीनस्क्रीन प्रारूप के बजाय बड़े सेट लगाने के लिए आगे बढ़े। जवान को कुछ देरी और दोबारा शूटिंग का भी सामना करना पड़ा, जिससे लागत बढ़ गई, लेकिन यह सब फिल्म की सीन अपील को बढ़ाने के लिए किया गया है। रेड चिलीज द्वारा निर्मित जवान का प्रीव्यू दर्शकों को काफी पसंद आया था। इसके अलावा फिल्म के दो गाने चलेया और जिंदा बंदा को भी एसआरके के फैंस ने काफी पसंद किया है। फिल्म का संगीत जाने-माने संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। बता दें कि किंग खान के जवान से साउथ सुपरस्टार नयनतारा बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं।

फिल्म में विजय सेतुपति खलनायक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म सात सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आलिया भट्ट को लिपस्टिक लगाने से मना करने पर ट्रोल हुए रणवीर सिंह, यूजर्स बोले- फीमेल कंट्रोलर है एक्टर

आलिया भट्ट अपने लिपस्टिक लगाने के तरीके को लेकर इंटरनेट पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। हां आपने सही पढ़ा है! यदि आप मेकअप के शौकीन हैं या आपने कभी लिप शेड्स का उपयोग किया है, तो आप जानते होंगे कि रंग जोड़ने के लिए लिपस्टिक को अपने होंठों पर हाथों से घुमाना सबसे आम या मूल तरीका है।

हालाँकि, आलिया ने वोग ब्यूटी सीक्रेट्स के एक साक्षात्कार में साझा किया कि वह लिप शेड को अपने मुँह पर ले जाने के बजाय लिपस्टिक पर अपना मुँह ले जाना पसंद करती हैं। आलिया भट्ट का लिपस्टिक ट्यूटोरियल एक वीडियो का हिस्सा था जहां उन्होंने अपने प्राकृतिक और फाउंडेशन-मुक्त फुल-फेस मेकअप को प्राप्त करने के लिए गाइड साझा किया था। जिस हिस्से में वह लिपस्टिक लगाती है, उसमें आलिया उस लिप शेड के बारे में बात कर रही है जिसके प्रति वह दीवानी है, जिसे उन्होंने रणबीर कपूर के साथ अपनी शादी में भी लगाया था। आलिया कहती हैं, जिस तरह से मैं अपनी लिपस्टिक लगाती हूं उसे [सामान्य] नहीं माना जाता है। यह थोड़ा अजीब है। फिर, वह दर्शकों को दिखाती है कि वह यह कैसे

करती है आलिया लिपस्टिक लेती है और अपने होठों पर रंग लगाने के लिए उस पर अपना मुंह ले जाती है। फिर, वह अपने होठों का रंग हल्का करने के लिए इसे रगड़ती है।

आलिया ने आगे कहा, मैंने सोचा, यह बस कुछ ऐसा था जिस पर मैंने अपने लिए काम किया और फिर, मैंने इसे मिटा दिया। क्योंकि एक बात मेरे पति [जब वह मेरे पति नहीं थे, जब वह मेरे बॉयफ्रेंड भी थे] कहते हैं जब हम इसका इस्तेमाल करते थे रात में बाहर जाने के लिए वह कहते थे लिपस्टिक को पोंछ दो। उसे पोंछ दो। क्योंकि उसे मेरे होंठों का प्राकृतिक रंग पसंद है।

इस बीच, आलिया भट्ट ने हाल ही में गैल गैडोट और जेमी डोर्नन अभिनीत हार्ट ऑफ स्टोन के साथ हॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। वह रणवीर सिंह, जया बचन, धर्मेंद्र, शबाना आज़मी और अन्य के साथ करण जौहर की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का भी हिस्सा थीं।

न्यायालय ने दिल्ली सरकार को योजना अधिसूचित करने के लिए 30 सितंबर तक का वक्त दिया

नयी दिल्ली। उचतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में ऐप आधारित बाइक-टैक्सी सेवा (एग्रीगेटर) को विनियमित करने के लिए 'दिल्ली मोटर वाहन एग्रीगेटर और डिलीवरी सेवा प्रदाता योजना' को अंतिम रूप देने के वास्ते आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को दी गयी मोहलत सोमवार को 30 सितंबर तक बढ़ा दी। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने समय विस्तार की मांग करने वाली दिल्ली सरकार की याचिका स्वीकार कर ली। पीठ ने कहा, आवेदन स्वीकार किया जाता है और दिल्ली मोटर वाहन एग्रीगेटर और डिलीवरी सेवा प्रदाता योजना, 2023 पर अधिसूचना जारी करने के लिए समय सीमा 30 सितंबर, 2023 तक बढ़ाई जाती है। पीठ ने सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की ओर से पेश वकील से नीति को अंतिम रूप देने में देरी का कारण पूछा। वकील ने शीर्ष अदालत को बताया कि एक सुदृढ़ नीति पर काम चल रहा है, लेकिन इसमें कुछ और समय लगेगा। उचतम न्यायालय ने 12 जून को उच न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी।

स्वतंत्रता दिवस से पहले पुलिस के हत्थे चढ़ा हथियार तस्कर, पांच अवैध पिस्टल बरामद

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह से एक दिन पहले दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक कुख्यात अंतरराजीय हथियार तस्कर को दबोच उसके कब्जे से पांच अवैध पिस्टल बरामद कर बड़ी सफलता हासिल की है। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर दिल्ली हाई अलर्ट पर होने व कड़ी चौकसी के कारण तस्कर को दिल्ली आते ही दबोच लिया गया। उक्त पिस्टल मध्य प्रदेश के खरगोन से लाई गई थी जिसे दिल्ली-एनसीआर के बदमाशों को आपूर्ति की जानी थी। विशेष आयुक्त स्पेशल सेल एचजीएस धालीवाल के मुताबिक, एसीपी कैलाश सिंह बिष्ट और राहुल कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर राहुल कुमार और विनीत कुमार तेवतिया की टीम ने अंतरराजीय हथियार तस्कर को दबोच एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। तस्कर अनिल शर्मा उर्फ भोपाली, खरगोन, मध्य प्रदेश का रहने वाला है। इसके कब्जे से बरामद .32 बोर की पांच अवैध पिस्टल मिली। वह पिछले दो वर्षों से दिल्ली-एनसीआर, यूपी पश्चिम और हरियाणा में गैंगस्टरों को अवैध हथियारों की आपूर्ति कर

रहा था। वह प्रति अवैध पिस्टल 10 से 20 हजार रुपये में खरीदता था और उसे बदमाशों को 35-50 हजार रुपये में बेचता था। दिल्ली और आसपास के रायों में विभिन्न अपराधों में अवैध हथियारों के इस्तेमाल को देखते हुए स्पेशल सेल दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय अवैध हथियार आपूर्तिकर्ताओं के बारे में जानकारी एकत्र उन्हें धर पकड़ का काम कर रही है।

इसी कड़ी में रविवार को सूचना के आधार पर ट्रांस यमुना रेंज के इंस्पेक्टर राहुल कुमार और विनीत कुमार तेवतिया की टीम ने घेवरा मोड़ के पास से तस्कर अनिल शर्मा को दबोच लिया। उसके पास पिट्ठू बैग से .32 बोर की पांच अवैध पिस्टल बरामद की गई। पूछताछ में अनिल शर्मा ने बताया कि 2022 में उसने मध्य प्रदेश में बीसीए और डी-फार्मा का कोर्स पूरा किया। पढ़ाई के दौरान वह बुरे तत्वों के संपर्क में आ गया और अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए खरगोन में अवैध हथियारों की सप्लाई में शामिल हो गया। उसके रिश्तेदार हरियाणा के बहादुरगढ़ में रहते हैं, इसलिए वह नियमित अंतराल पर बहादुरगढ़ आते रहता है।वहां वह हरियाणा और बाहरी दिल्ली के स्थानीय अपराधियों के संपर्क में आया। जल्दी पैसा कमाने के लिए उसने इलाके में पिस्टल बेचना भी शुरू कर दिया। वह मध्य प्रदेश के खरगोन स्थित एक हथियार निर्माता से पिस्टल खरीदता था।

हर घर तिरंगा अभियान को मिल रही जबरदस्त सफलता, सरकारी पोर्टल पर 40 मिलियन से ज्यादा सेल्फी अपलोड

नई दिल्ली । केंद्र सरकार की वेबसाइट के अनुसार, हर घर तिरंगा वेबसाइट को देश के लोगों से 40 मिलियन से अधिक सेल्फी प्राप्त हुई हैं। यह अभियान 13-15 अगस्त तक चलेगा, जब भारत अपना 77वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले देश के लोगों से अभियान में भाग लेने के लिए कहा था। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, प्रधान मंत्री ने लोगों से महत्वपूर्ण दिन से पहले एक अनूठे प्रयास के हिस्से के रूप में, अपने सोशल मीडिया हैंडल की डिस्प्ले तस्वीर को राष्ट्रीय ध्वज में बदलने के लिए कहा। हर घर तिरंगा की वेबसाइट से पता चलता है कि सरकार को तिरंगे के साथ 43,644,013 (4.3 मिलियन) सेल्फी मिली हैं। वेबसाइट के होम पेज को सेल्फी अपलोड करने के विकल्प के साथ फिर से डिजाइन किया गया है। जब कोई उपयोगकर्ता पोर्टल खोलता है, तो दो विकल्प होते हैं - झंडे और डिजिटल तिरंगे के साथ एक सेल्फी अपलोड करने के लिए। नीचे स्क्रॉल करने पर यूजर को भारतीय ध्वज के साथ केंद्रीय मंत्रियों, अभिनेताओं और खिलाड़ियों की तस्वीरें दिखाई देंगी। अमृत काल के इस दूसरे स्वतंत्रता दिवस पर एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रम होंगे। हर घर तिरंगा अभियान के साथ-साथ विभाजन दिवस (14 अगस्त) पर भारत विभाजन की भयावहता को याद करते हुए और उस दौरान हुई हिंसा के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देते हुए मौन जुलूस निकाले जाएंगे। पूरे भारत से लगभग 1,800 विशेष अतिथि दिल्ली के प्रतिष्ठित लाल किले में पीएम मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस ध्वजारोहण में भाग लेंगे। इस बीच, स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले, दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी भर में जांच और सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत सोमवार को राजधानी स्थित अपने आधिकारिक आवास पर तिरंगा फहराया। सरकार आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 'हर घर तिरंगा अभियान' चला रही है।

इसका उद्देश्य सहभागी हिस्सेदारी की भावना और अधिक जन भागीदारी के साथ आजादी का अमृत महोत्सव मनाना है।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस, मामूली बारिश की संभावना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के लिए सामान्य तापमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय राजधानी में सुबह साढ़े आठ बजे हवा में आर्द्रता 75 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिन में मुख्य रूप से बादल छाए रहने और बहुत मामूली बारिश होने का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 108 दर्ज किया गया, जो 'मध्यम श्रेणी में आता है। एक्यूआई शून्य से 50 के बीच 'अच्छा, 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक, 101 से 200 के बीच 'मध्यम, 201 से 300 के बीच 'खराब, 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब और 401 से 500 के बीच 'गंभीर माना जाता है।

टीवी चैनल्स के मजबूत स्व-नियमन के लिए गाइडलाइंस लाएगा कोर्ट, कहा- एक लाख का जुर्माना अप्रभावी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि टीवी चैनल्स के मजबूत स्व-नियमन के लिए वह जल्द ही नई गाइडलाइंस जारी करेगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि जब तक नियमों को सख्त नहीं किया जाएगा, तब तक टीवी चैनल्स उन्हें मानने के लिए बाध्य नहीं होंगे। बता दें कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने टीवी चैनल्स के स्व-नियमन को नाकाफी बताते हुए इसे सख्त बनाने की बात कही थी। इसके खिलाफ न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन (एनबीए) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इसी याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने उक्त टिप्पणी की। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आप कह रहे हैं कि टीवी चैनल्स स्व-नियमन रखते हैं लेकिन मुझे नहीं पता आपकी बात से इस कोर्ट में कितने लोग सहमत होंगे। आप लोग कितना जुर्माना लगाते हैं? एक लाख! एक चैनल एक दिन में कितना कमाता है। जब तक आप नियमों को सख्त नहीं बनाएंगे कोई भी टीवी चैनल इन्हें मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

प्रियंका गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर बोले रॉबर्ट वाड्रा , हम डरने वाले नहीं, हम और मजबूत होंगे

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में इस साल विधानसभा के चुनाव होने है। इसको लेकर राजीनति भी खूब हो रही है। कांग्रेस राज्य की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर लगातार निशाना साध रही है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी भाजपा सरकार पर निशाना साध रही हैं इसके साथ ही वह राय सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही हैं। इन सब के बीच खबर आई की राय में प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इसी को लेकर कांग्रेस पर भाजपा पर पलटवार कर रही है। वहीं, इस मामले को लेकर प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि हम लोग डरने वाले नहीं हैं चाहे वे लोग कुछ करे। अपने बयान में उन्होंने कहा कि मुझे आश्चर्य नहीं है। ये धारणा बनाने का उनका एक तरीका है। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि कर्नाटक में भी ऐसा ही था, वहां 40त्न कमीशन वाली सरकार थी। वैसा ही यहां (एमपी) भी है, जहां भी वे सरकार गिराते हैं और वहां पर अपनी राजनीति चलाते हैं तो वह सरकार लंबे समय तक नहीं चलेगी और लोग विद्रोह करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रियंका, राहुल गांधी, सोनिया जी निडर हैं, हम लोगों की बात रखेंगे...वे करेंगे हम पर कानूनी तौर पर या एजेंसियों के माध्यम से या किसी अन्य तरीके से दबाव डालें। लेकिन वे हम पर जितना दबाव डालेंगे, हम उतनी ही मजबूती से उठेंगे। इससे पहले कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाद्रा ने कहा है कि उनकी पत्नी प्रियंका गांधी बहुत अछी सांसद साबित होंगी और उम्मीद जताई कि पार्टी उनके लिए बेहतर योजना बनाएगी।

लाल किले की सुरक्षा के लिए अचूक इंतजाम, चेहरा पहचानने वाले 1000 कैमरे लगे

नई दिल्ली । स्वतंत्रता दिवस के चलते लाल किले से लेकर दिल्ली की सीमाओं तक सुरक्षा के अचूक और पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। लाल किले और आसपास की सुरक्षा को अभेद बनाने के लिए 10,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। साथ ही, चेहरे की पहचान करने वाले 1000 कैमरे और एंटी ड्रोन सिस्टम भी लगाए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे। 77वें स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है, क्योंकि इस बार कार्यक्रम में कोविड-19 को लेकर कोई प्रतिबंध नहीं हैं। सरकार ने पीएम किसान योजना के लाभार्थियों समेत 1,800 विशेष मेहमानों को आमंत्रित किया है। माना जा रहा है कि इस बार 20,000 से अधिक अधिकारी और नागरिक आजादी के जश्न में शिरकत करेंगे। सुरक्षा की दृष्टि से लाल किला मेट्रो स्टेशन का गेट नंबर तीन और चार बंद रहेगा जबकि दूसरी तरफ के गेट लोगों के लिए खुले रहेंगे। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए लगभग 300 इमारतों की पहचान की गई है, जहां आधुनिक हथियार और दूरबीन के साथ जवान तैनात रहेंगे। पुलिस ने कहा कि हरियाणा के नूंह और आसपास के इलाकों में हाल की हिंसा को ध्यान में रखते हुए कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। लाल किला की सुरक्षा की जिम्मेदारी विभिन्न एजेंसियों को सौंपी गई है। इसमें एनएसजी, एसपीजी, पैरामिलिट्री फोर्स और दिल्ली पुलिस के जवान शामिल हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए लाल किले की सुरक्षा दिल्ली पुलिस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के जवानों ने संभाल ली है। साथ ही, यमुना में दिल्ली पुलिस के विशेष प्रशिक्षित कमांडो तैनात किए गए हैं। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने रविवार को टीम के साथ यमुना में गश्त भी की। लाल किले की दीवार से दिल्ली की सीमाओं तक सुरक्षा के अचूक व पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सभी सीमाएं सोमवार से सील कर दी जाएंगी। दिल्ली पुलिस आतंकी व बदमाशों से संबंधित सूचनाओं को लेकर पड़ोसी रायों की पुलिस के भी संपर्क में है। उत्तरी जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार लाल किले के पास लगातार पीसीआर वैन पेट्रोलिंग

कर रही हैं। इसके अलावा यमुना में भी सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। यमुना में दिल्ली पुलिस के कमांडो, गोताखोरों की टीम के साथ लगातार गश्त पर रहेंगे, ताकि किसी भी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया जा सके। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर लाल किले की सुरक्षा की जिम्मेदारी कई लेयर में विभिन्न एजेंसियों को दी गई है। इनमें एनएसजी, एसपीजी, पैरामिलिट्री फोर्स और दिल्ली पुलिस के जवान शामिल हैं। वहीं, प्रधानमंत्री के रूट से लाल किले तक 10 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। सिर्फ लाल किले के पास ही लगभग 5 हजार सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। निगरानी के लिए कई मचान और मोर्चे बनाए गए हैं। लाल किला के पास किसी भी प्रकार के फ्लाइंग ऑब्जेक्ट को उड़ाने पर पाबंदी लगा दी गई है।

देश की राजधानी हमेशा ही आतंकियों के निशाने पर रही है। इससे निपटने के लिए दिल्ली पुलिस मुस्तैद रहती है। इस साल स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान दिल्ली पुलिस पहली बार इस्राइली तकनीक से युक्त एफआरएस कैमरों का इस्तेमाल करने जा रही है। इन कैमरों को समारोह स्थल के एंट्री गेट पर लगाया जाएगा। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछले करीब दो माह से स्वतंत्रता दिवस समारोह को देखते हुए तैयारियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में इस बार एफआरएस कैमरों को भी शामिल किया गया है। इस्राइली तकनीक से लैस कैमरे कंट्रोल रूम से जुड़े होंगे। दिल्ली पुलिस के रिकॉर्ड में जो भी आपराधिक प्रवृत्ति के लोग शामिल हैं, उनका डेटा बना हुआ है। इस रिकॉर्ड को इन कैमरों से जोड़ दिया गया है।

ऐसे में पुलिस के रिकॉर्ड में शामिल जो भी व्यक्ति इन कैमरों की जद में आएगा। तुरंत कैमरे कंट्रोल रूम को उसका मैसेज भेज देंगे। जिस गेट से या कैमरे से मैसेज जाएगा तुरंत वहां तैनात सुरक्षा बलों को अलर्ट कर दिया जाएगा। फिलहाल स्वतंत्रता दिवस समारोह के कार्यक्रम से 48 घंटे पूर्व एसपीजी ने मोर्चा संभाल लिया है। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच रविवार शाम को आई दो कॉल के बाद पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों के होश उड़ गए। कॉल में दावा किया गया कि लाल किला, रेलवे स्टेशन और कश्मीरी गेट बस अड्डे में बम फटने वाले हैं। बम व डॉग स्क्वायड के अलावा पुलिस और तमाम सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी हो गईं। लालकिला, कश्मीरी गेट बस अड्डा और रेलवे स्टेशनों की जांच शुरू हो गई।

खबर लिखे जाने तक पुलिस को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था। हालांकि, सर्च ऑपरेशन देर रात तक जारी था। वहीं, मामले पर दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने शरारती तत्वों पर फर्जी कॉल करने की आशंका जताई है। देर रात तक कॉलर की पहचान कर ली गई थी, लेकिन पुलिस को आरोपी नहीं मिले थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रविवार रात करीब 8:26 बजे नजफगढ़ निवासी एक व्यक्ति ने कॉल कर सूचना दी कि लाल किला और रेलवे स्टेशन पर बम फटने वाले हैं। उसके मोबाइल पर यूके के अज्ञात नंबर से कॉल आई है। एक अन्य कॉल में कश्मीरी गेट बस अड्डे पर लावारिस बैग में बम होने की खबर दी गई। कॉलर के पते पर पुलिस पहुंची तो वहां मिले व्यक्ति ने बताया कि नंबर उसके नाम पर ही है, लेकिन वह उसे इस्तेमाल नहीं करता।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सीएम केजरीवाल का बड़ा ऐलान, बोले- पंजाब अब रूकेगा नहीं

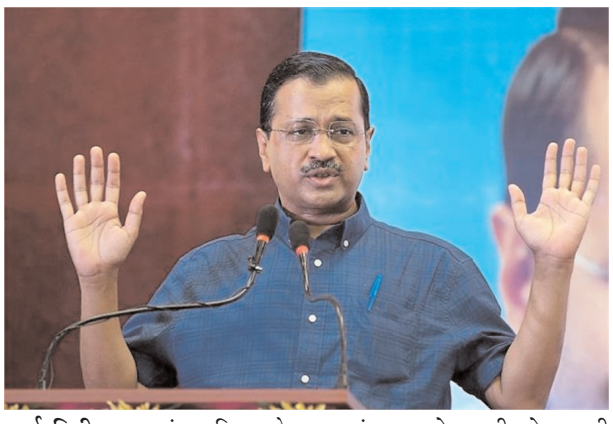

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान किया है। केजरीवाल ने पंजाब में 76 नए आम आदमी क्लीनिक और शुरू करने का ऐलान किया। उन्होंने ट्विटर के जरिए यह जानकारी दी। केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा, स्वतंत्रता दिवस के इस मौके पर पंजाब में 76 नए आम आदमी क्लीनिक और शुरू हो रहे हैं। पंजाब अब रूकेगा नहीं.. क्योंकि पंजाब के लोगों ने एक बेहतर भविष्य को चुना है। मान साहब और पंजाब के सभी लोगों को बधाई। इससे पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसकी घोषणा की थी। स्वतंत्रता दिवस के इस मौक़े पर पंजाब में 76 नए आम आदमी क्लीनिक और शुरू हो रहे हैं। पंजाब अब रूकेगा नहीं.. क्योंकि पंजाब के लोगों ने एक बेहतर भविष्य को चुना है। केजरीवाल ने ट्विट कर कहा, स्वास्थ्य क्रांति की तरफ बढ़ता पंजाब...पिछले साल आज़ादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में हमने पंजाब में 75 आम आदमी क्लीनिक शुरू किए थे जिसका आंकड़ा एक साल में ही 583 पर पहुंच गया है...जिसका फायदा अब तक लगभग 45 लाख लोग ले चुके हैं...अब हम आज़ादी के 76 साल पूरे होने पर आज 76 और नए आम आदमी क्लीनिक लोक समर्पित कर रहे हैं जिससे ये गिनती 659 हो जाएगी उन्होंने आगे लिखा, ये क्लीनिक उन लोगों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं जो अब तक इलाज महंगा होने की वजह से स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित थे...हमारा ख्वाब, सेहतमंद पंजाब। बता दें कि प्रदेश सरकार इस वक्त प्रदेश में 10 हजार क्लासेज को डेवलप करने पर भी काम कर रही है। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने रविवार बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भगवंत मान और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सरकारी स्कूलों को प्राइवेट स्कूलों के मुकाबले डेवलप करने का वादा किया था। अब हम यह वादा पूरा करने की दिशा की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। इसके तहत प्रदेश में 10 हजार नई कक्षाएं विकसित की जा रही हैं और 10 हजार मौजूदा कक्षाओं को इसी तर्ज पर रूपांतरित किया जा रहा है। केजरीवाल ने तुरंत उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'पंजाब के सरकारी स्कूलों के नए शिक्षकर्मियों और कक्षाएं प्रमाण हैं कि, अब पंजाब भी शिक्षा की क्रांति को साक्षात्कार कर रहा है।

दिल्ली में शराब ही नहीं कल बीयर, भांग और हुक्का बार की दुकानें भी रहेंगी बंद, पीने के शौकीनों के पास बचा है मात्र एक विकल्प

नई दिल्ली।

दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस के दिन शराब की सभी दुकानें बंद रहेंगी. आबकारी विभाग ने 15 अगस्त को ड्राई-डे घोषित कर दिया है. विभाग ने कहा है कि अगर 15 अगस्त को दिल्ली के किसी भी एरिया में शराब की दुकानें खुली पाई जाती हैं तो संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. बता दें कि राजधानी दिल्ली ही नहीं पूरे देश और दिल्ली-एनसीआर में 15 अगस्त यानि मंगलवार को ड्राई घोषित किया गया है. इस दिन दिल्ली में शराब के साथ-साथ बीयर, भांग, हुक्का सहित सभी प्रकार के नशीली पदार्थों का सेवन आप सार्वजनिक जगहों पर नहीं कर सकते हैं. आबकारी विभाग की मानें तो 15 अगस्त के दिन दिल्ली में सघन चेकिंग अभियान भी की जाएगी. इस दौरान विभाग की कई टीमें गश्त पर रहेंगी. इस दौरान अगर जो कोई भी शख्स शराब या बीयर के साथ पकड़ा जाएगा उसपर कार्रवाई की जाएगी. 15 अगस्त के दिन पब्लिक पैलेस में शराब पीना या सर्व करना अपराधा माना जाएगा. बता दें कि दिल्ली सरकार ने

कुछ दिन पहले ही एल्कोहल की बिक्री पर कुछ प्रमुख दिनों के लिए दुकानें बंद करने का आदेश जारी किया था. दिल्ली सरकार ने 15 अगस्त के साथ-साथ 7 सितंबर को जन्मष्टमी. 28 सितंबर को ईद ए मिलाद शामिल हैं. इसलिए अगर आप शराब पीने के शौकीन हैं तो आज ही कल का कोटा खरीद कर घर में रख सकते हैं. अगर आज नहीं खरीदते हैं तो कल आप शराब के लिए तरस जाएंगे. यह बंदिशें सिर्फ दिल्ली-एनसीआर के लिए नहीं है, बल्कि पूरे देश में यह नियम लागू है. आज देशी-विदेशी सभी प्रकार की शराब व बीयर की दुकानें देर रात तक खुली रहेंगी. 15 अगस्त के बाद रक्षा बंधन और जन्माष्टमी और गणेश चतुर्थी जैसे अहम त्योहारों में भी शराब की दुकानें बंद रह सकती हैं. आने वाले दिनों में देश में कई पर्व-त्योहार के साथ-साथ स्कूलों और बैंकों में अवकाश रहेगा. इस दौरान शराब की दुकानें भी बंद रहेंगीं. इसलिए अगर आप शराब पीने का शौक रखते हैं तो ड्राई डे के बारे में जानकारी लें और पहले से ही अपने शराब का स्टॉक रख लीजिए, ताकि उस दिन शराब के लिए आपको भटकना न पड़े.

छोटे दलों में है चुनावी खेल बिगाड़ने की ताकत

पहली नजर में देखें तो केंद्र में 2014 से सरकार चला रही 300 सांसदों वाली और 10 राज्यों में अकेले तो करीब आधा दर्जन राज्यों में गठबंधन सरकार चलाने वाली भाजपा के सामने ओम प्रकाश राजभर की भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी की कोई बिसात नहीं है। यह भी याद होगा कि 2019 लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा से गठबंधन खत्म करने के बाद ओम प्रकाश राजभर ने भाजपा के शीर्ष नेताओं के बारे में क्या कुछ नहीं कहा। फिर भी 2024 लोकसभा चुनाव के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने खुद राजभर से मुलाकात की और उन्हें भाजपा के साथ लाने के लिए मनाया। 16 जुलाई को शाह ने ट्वीट किया, ''राजभर जी के आने से उत्तर प्रदेश में एन.डी.ए. को मजबूती मिलेगी और मोदी जी की लीडरशिप में एन.डी.ए. सरकार की ओर से गरीबों-वंचितों के कल्याण हेतु किए जा रहे प्रयासों को और बल मिलेगा।''राजभर से पहले अमित शाह ने पिछले महीने बिहार की हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा के अध्यक्ष जीतन राम मांझी से भेंट कर उनकी एन.डी.ए. में वापसी पक्की कराई। वहीं शाह लोकतांत्रिक जनशक्ति पार्टी को भी अपने साथ लाने में कामयाब हुए। भारतीय राजनीति में इधर जो बदलाव आया है, इनसे उसका पता चलता है। ऐसा नहीं है कि छोटे दल सिर्फ भाजपा की ही जरूरत बन गए हैं। जो गैर-भाजपा खेमा है, उसके लिए भी ये बहुत अहम् हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ विपक्ष की जो गोलबंदी हो रही है, उसमें भी अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग समूहों पर असर रखने वाले दलों को साथ लेने की हरसंभव कोशिश की जा रही है। लेकिन सवाल यह है कि भारतीय राजनीति में यह बदलाव आया कैसे? दरअसल, 90 के दशक में जब मंडल कमंडल की राजनीति का आभास शुरू हुआ तो धार्मिक गोलबंदी के साथ-साथ जातीय गोलबंदी का रास्ता खुलना शुरू हुआ। यहीं से अलग-अलग जातियों और उपजातियों के बीच राजनीतिक नेतृत्व पैदा होने शुरू हुए और छोटे-छोटे राजनीतिक दल अस्तित्व में आने लगे। इसका बड़ा असर खास तौर पर यू.पी. और बिहार की राजनीति में दिखना शुरू हुआ। यू.पी. में छोटे दलों की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है, जिस राज्य की पॉलिटिक्स अब तक भाजपा, कांग्रेस, सपा, बसपा जैसे बड़े जनाधार वाले दलों के इर्द-गिर्द घूमती रही है, वहां अब अपना दल, महान दल, निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, बहुजन आजाद पार्टी, जनवादी सोशलिस्ट जैसे दलों का न केवल दखल बढ़ा है बल्कि उन्होंने बड़े दलों को अपनी शर्तों पर झुकाने को मजबूर कर दिया है। भाजपा को यू.पी. में निषाद पार्टी को साथ बनाए रखने के लिए न केवल उसके अध्यक्ष डा. संजय निषाद को विधान परिषद भेजना पड़ा बल्कि विधानसभा चुनाव के लिए उनकी पार्टी के टिकटों का कोटा भी तय करना पड़ा था। अपना दल की मुखिया अनुप्रिया पटेल मोदी सरकार में मंत्री तो बनी हीं उनके पति को भी यू.पी. में एम.एल.सी. बनाकर उनके लिए योगी सरकार में मंत्री पद सुरक्षित किया गया। राजभर को फिर से एन.डी.ए. में लाने के लिए भाजपा ने उनके साथ तल्खी भुला दी। यू.पी. के 2017 के विधानसभा चुनाव में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी भाजपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ी थी और योगी सरकार में हिस्सेदार भी बनी। लेकिन 2022 चुनाव में वह समाजवादी पार्टी के पाले में चली गई थी। वहीं, 2022 चुनाव में जो समाजवादी पार्टी कांग्रेस से बातचीत को तैयार नहीं हुई थी, वह महान दल, जनवादी सोशलिस्ट पार्टी और अपना दल कमेरावादी के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ी थी। यह छोटे दल जिन जातियों की नुमाइंदगी करते हैं उनकी आबादी को अगर राज्य की कुल आबादी की कसौटी पर कसा जाए तब तो वह बहुत कम दिखेगी। लेकिन इन पार्टियों का जनाधार जिस जाति के लोग हैं, वे राज्य के कुछ खास जिलों में केंद्रित हैं। इसलिए ये पार्टियां उन जिलों के चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की ताकत रखती हैं। यू.पी. जैसा ही हाल बिहार का भी है। हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा बिहार में महादलित समाज की नुमाइंदगी करता है। बिहार की राजनीति में महादलित मतदाता इतनी संख्या में हैं कि वहां के चुनाव को प्रभावित करती है। लिहाजा इनकी मांग बनी रहती है। इसलिए बिहार में जीतन राम मांझी हर चुनाव के वक्त अपनी सुविधा के अनुसार 'पार्टनर' बदलते रहते हैं। नीतिश, लालू और भाजपा जिसके साथ वह जाना चाहते हैं, उनके दरवाजे खुल जाते हैं.मुकेश साहनी अपने को 'सन् ऑफ मल्लाह' लिखते हैं। उन्होंने अपने समाज की नुमाइंदगी करने के लिए विकासशील इंसान पार्टी बनाई हुई है। आज की तारीख में साहनी भी बिहार के बड़े राजनीतिक दलों की जरूरत बन गए हैं। लोजपा की भी दलों के साथ अदला-बदली चलती रहती है।

इसमें कोई शक नहीं है कि अलग-अलग जातियों की नुमाइंदगी के लिए इन दलों को उनके समाज की स्वीकार्यता मिल चुकी है। यह भी सच्चाई है कि अकेले चुनाव लडने् पर भी यह दल कोई ताकत नहीं बन पाते हैं लेकिन बड़े राजनीतिक दलों का सियासी समीकरण जरूर बिगाड़ देते हैं। बड़े राजनीतिक दलों को छोटी-छोटी जातियों को साथ लाने के लिए बड़ी मशक्कत करनी पड़ जाती है, लेकिन उनकी नुमाइंदगी करने वाली पार्टियों को साथ लेने पर उन्हें इन जाति समूहों का समर्थन आसानी से मिल जाता है।

सरकार जी को न बोलने का अधिकार है

स्वतंत्रता का अमृत काल चल रहा है। अमृत काल चल क्या रहा है, दौड़ रहा है। इतनी तेजी से दौड़ा है कि समाप्त होने ही वाला है। आज तेरह अगस्त है, पंद्रह अगस्त को यह अमृत काल समाप्त हो जाएगा और उससे अगला काल शुरू होगा। उसका नाम क्या होगा, वह कैसे मनाया जाएगा, उसमें? कौन कौन से कार्यक्रम होंगे, इसकी घोषणा सरकार जी पन्द्रह अगस्त को लालकिले की प्राचीर से ही करेंगे। वैसे सरकार जी का बस चलता तो सरकार जी तो अब तक देश को भी मार्गदर्शक मंडल में डाल चुके होते। पिछले वर्ष ही डाल दिया होता। पिछले वर्ष ही आजाद देश पिचहत्तर साल का हो जो गया था। पर बस चला नहीं। वैसे तो सरकार जी सर्व शक्तिमान हैं। जो चाहे वही करते हैं और जो नहीं चाहते वह नहीं करते हैं। पर क्या करें, कभी कभी उनका भी बस नहीं भी चलता है। अब देखो, सरकार जी चाहते रहे कि संसद में न जाना पड़े। जहां तक हो सके संसद को अवॉयड ही किया जाए, उसमें जाना ही न पड़े। दीवाने आम (चुनावी जनसभाओं) को ही संबोधित करते रहें और दीवाने खास (संसद) में न बोला जाए। और सफल भी रहे। गुजरात गए, वहां बोले। राजस्थान भी गए और वहां भी बोले। पर संसद नहीं जाना था, नहीं बोलना था तो नहीं बोले। बोलना भी सरकार जब चाहते हैं, जिस पर चाहते हैं, उसी पर बोलते हैं और जिस पर नहीं बोलना चाहते हैं उस पर नहीं बोलते हैं। राजस्थान पर बोले, छत्तीसगढ़ पर बोले पर मणिपुर पर नहीं बोलना था, तो नहीं बोले। यही है बोलने की सवतंत्रता, जो हमें हमारे संविधान ने हमें दी है। सरकार जी यह भी जानते हैं कि इस बोलने की आजादी में न बोलने की आजादी भी निहित है। और सरकार जी इन दोनों आजादियों, बोलने की आजादी और न बोलने की आजादी, दोनों का भरपूर फायदा उठाते हैं। यह जो, न बोलने की आजादी है ना, यह तो अधिकतर लोग तभी अपनाते हैं जब पुलिस या फिर कोई जांच एजेंसी पूछताछ करती है। उस समय कहते हैं, ÷हम नहीं बोलेंगे÷। यह हमारा अधिकार है। अब जो कुछ बोलेगा, हमारा वकील ही बोलेगा। या फिर हम बोलेंगे तो अपने वकील के आने पर ही बोलेंगे। तब तक हमें न बोलने की आजादी है। सरकार जी भी यही कहते हैं, मैं नहीं बोलूंगा, मेरे नवरत्न बोलेंगे। मुझे न बोलने की आजादी है और मेरे नवरत्नों को कुछ भी बोलने की आजादी है। फिर वे नवरत्न जो चाहे बोलें, ऊल-जलूल बोलें, चिल्ला चिल्ला कर बोलें, सभी को सरकार जी की सहमति है। सब सरकार जी की तरफ से ही तो बोल रहे हैं। लेकिन देश का विपक्ष निक्कमा है। उसे न बोलने के अधिकार में विश्वास ही नहीं है। उसे तो सरकार जी की जितनी भी समझ नहीं है। उसे यह समझ नहीं है कि देश में, देश के संविधान में अगर बोलने की आजादी है तो न बोलने की आजादी भी है। और सरकार जी जानते हैं, कहां बोलने की आजादी का फायदा उठाना है और कहां न बोलने की आजादी का फायदा उठाना है। और कहां खुद चुप रह जाना है और अपने नवरत्नों से बुलवाना है। और ये नवरत्न, सच कहा जाए तो, अपने सरकार जी के लिए झूठ बोलने का ही फर्ज निभाते हैं। उसी के लिए तो ये पद पाते हैं और नवरत्न कहलाए जाते हैं। तो विपक्ष ने, यह जानते हुए भी कि वे हारेंगे ही, सरकार जी विश्वास मत हासिल कर ही लेंगे।

सुरजेवाला के राक्षस वाले बयान पर भड़की भाजपा, ऐसे किया पलटवार

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के हरियाणा के कैथल में दिए बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। दरअसल, सुरजेवाला ने यहां विवादित टिप्पणी करते हुए भाजपा को वोट देने वालों को राक्षस बता दिया। इसे लेकर अब भाजपा ने पलटवार किया है। पार्टी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस न सिर्फ वोटरों की बेइजती कर रही है, बल्कि उन्हें श्राप भी दे रही है। पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस ने सारी हदें पार कर दी हैं और 2024 में साफ हो जाएगा कि जनता किसे आशीर्वाद देती है और किसे श्राप। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, कांग्रेस के नेता रणदीप सुरजेवाला जो अफजल गुरु को अफजल गुरू जी कहते हैं और उनकी पार्टी के नेता ओसमा जी और हाफिज सईद साहब कहते हैं, वो आज भारत की जनता को ही गाली देने लगे हैं। वोटरों को ही गाली देने लगे हैं। उन्होंने कहा, सोचिए वो कांग्रेस पार्टी जो लोकतंत्र के मंदिर पर इस तरह के आक्षेप लगाती है। लोकतंत्र की संस्थाओं पर सवाल खड़े करती है। विदेश की धरती पर जाकर लोकतंत्र मर गया है, यह कहती है। भारत माता की हत्या हो गई है, ये भी कहती है। अब रणदीप सुरजेवाला कहते हैं कि जो जनता वोट करती है, वह राक्षस प्रवृत्ति की है। भाजपा को समर्थन देने वाली जनता, जिसे हम सभी जनता-जनार्दन मानते हैं। ऐसे लगभग 23 करोड़ लोगों को कांग्रेस पार्टी राक्षस प्रवृत्ति का बताती है। पूनावाला ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, और यही नहीं सुरजेवाला कहते हैं कि मैं इन लोगों को श्राप देता हूं। मतलब भारत माता की हत्या की कामना भी करते हैं और भारत की जनता को श्राप देने का भी काम करते हैं। अलग-अलग चुनाव में वोटर जिस तरह से वोट करते हैं। करोड़ों लोगों ने भाजपा को वोट किया है, जिस जनता को भगवान माना जाता है। उसे कांग्रेस ने राक्षस प्रवृत्ति का बताया है। इससे पता चलता है कि कांग्रेस किस अहंकार में जी रही है। इसलिए जनता ने भी मन बना लिया है कि 2024 में किसे आशीर्वाद देना है और किसे श्राप देना है। रणदीप सुरजेवाला का बयान दिखाता है कि अब किस तरह से घमंडिया भारत में जनता का अपमान कर रहा है...इससे पता चलता है कि भारत में ÷राक्षस÷ प्रवृत्ति की मानसिकता घमंडिया के अंदर ही बसती है। यह समझने की बात है कि ये चीजें राहुल गांधी के निर्देश पर ही होती हैं। कुछ दिन पहले, उन्होंने सदन के पटल पर कहा, भारत माता की हत्या हो गई है÷...मैं विनम्रतापूर्वक कहना चाहूंगा कि जनता का सम्मान किया जाना चाहिए, चाहे वे किसी भी पार्टी को वोट दें।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर फतेहाबाद के किसान लामबंद, 20 सूत्रीय मांग को लेकर धरने पर बैठे

फतेहाबाद । जनपद में सोमवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के दौरे को लेकर किसान संगठन भी लामबंद हो गए हैं। किसानों के द्वारा मुख्यमंत्री को अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया जाएगा। इसी को लेकर किसान फतेहाबाद के सचिवालय के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। किसानों का कहना है कि बीते दिनों आई बाढ़ के कारण उनकी फसलें और घर बर्बाद हो चुके हैं। लेकिन उन्हें तुरंत राहत नहीं दी जा रही। इन सभी मांगों को लेकर किसानों ने 20 सूत्रीय मांग पत्र तैयार किया है, जो कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल को दिया जाना है। किसान नेता जरनैल सिंह मालवाला का कहना है कि उनका प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपना चाहता है। इसको लेकर उन्होंने प्रशासन को भी जानकारी दे दी है। किसानों का कहना है कि सरकार उन्हें तुरंत राहत प्रदान करे। इसी को लेकर किसान लघु सचिवालय के बाहर धरने पर बैठे हैं।

कनाडा में हुई वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में 3 गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ी का हुआ जोरदार स्वागत

रादौर । कनाडा के विनिपेग में आयोजित हुई वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में रादौर के गांव सिकंदरा निवासी सीआरपीएफ के जवान गगनदीप सिंह मल्ली ने शूटिंग प्रतियोगिता में तीन गोल्ड मेडल जीतकर अपने क्षेत्र व देश का नाम रोशन किया है। वर्ल्ड पुलिस प्रतियोगिता में दुनिया के 60 बड़े देशों की पुलिस के जवानों ने भाग लिया। जिसमें अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड व अन्य देश भी शामिल रहे। कनाडा से आज रादौर पहुंचने पर खिलाड़ी गगनदीप का उनके गांव व क्षेत्र के लोगों ने फूल माला डालकर जोरदार स्वागत किया। खिलाड़ी गगनदीप सिंह ने बताया कि कनाडा में आयोजित हुई वर्ल्ड पुलिस प्रतियोगिता में 10 मीटर शूटिंग एयर राइफल में गोल्ड मेडल, 50 मीटर परोने राइफल शूटिंग में गोल्ड प्राप्त किया। वहीं तीसरा गोल्ड मेडल संयुक्त रूप से टीम के साथ जीता है।

गगनदीप ने कहा कि जिस प्रकार आज उनका अपने क्षेत्र में पंहुचने पर स्वागत हुआ है, उसी तरह कनाडा में पंजाबी भाईचारे द्वारा उन्हें पूरा मान सम्मान दिया। उन्होंने बताया कि अब उसे अगले मैच के लिए अमेरिका से निमंत्रण मिल चुका है। इस मौके पर उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों व शिक्षा के क्षेत्र आगे बढ़ने ले लिए प्रेरित किया। वहीं उन्होंने अपनी इस कामयाबी का श्रेय अपने परिजनों व अपने कोच जगबीर सिंह को दिया है। वहीं गगनदीप की इस कामयाबी पर परिवार में भी खुशी का माहौल है। उनके मामा परमजीत सिंह पम्मी ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि उन्हें नशे से दूर रहकर खेलों के क्षेत्र में आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह भी खिलाड़ी रहे है और वह अपने गांव के बच्चों को हमेशा खेलों में आगे आने के लिए प्रेरित करते रहते है। उन्होंने कहा कि आज खेलों के क्षेत्र में सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है। क्षेत्र के कई गांव में खेल स्टेडियम तो बने हुए है, लेकिन बिना रख-रखाव के कारण सरकार द्वारा खर्च किए गए करोड़ों रुपए बर्बाद हो रहे है, इसलिए उसकी देखरेख की तरफ भी हम सभी का कर्तव्य बनता है। आपको बता दें कि 28 जुलाई 2016 में कुरुक्षेत्र के कस्बा लाडवा में गगनदीप ने शूटिंग का प्रशिक्षण लेना शुरू किया था। बचपन से ही गगनदीप को शुटिंग में रूचि थी। उसको जब शूटिंग प्रतियोगिता के लिए राइफल की जरूरत थी, लेकिन उनके पास इतने पैसे नहीं थे। जिसके बाद 2 लाख रुपये की राशि गगनदीप के चाचा बलिहार सिंह ने जर्मन से अपने भतीजे के लिए भेजी थी। जिसके बाद राइफल मिलने पर गगनदीप ने लाडवा में स्थित शुटिंग रेंज में कई वर्षो तक प्रशिक्षण लिया। कड़ी मेहनत के बाद गगनदीप ने देश के लिए कामयाबी हासिल की है।

हरियाणा सीआईडी उपाधीक्षक उदय राज सिंह तंवर, एसआई जनक कुमारी को मिलेगा राष्ट्रपति पुलिस पदक

चंडीगढ़ ।स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हरियाणा पुलिस के 12 अधिकारियों और जवानों का विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएमडीएस) और सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक (पीएमएमएस) से सम्मानित करने के लिए चयन किया गया है। हरियाणा पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा इन मेडलों की घोषणा की गई है। हरियाणा पुलिस के दो अधिकारियों को विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस पदक जबकि 10 अन्य पुलिस अधिकारियों व जवानों को सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से अलंकृत किया गया है।

उप पुलिस अधीक्षक सीआईडी उदय राज सिंह तंवर और लेडी सब-इंस्पेक्टर जनक कुमारी को विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित करने के लिए चुना गया है इसके अतिरिक्त सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से अलंकृत होने वालों में राहुल देव डीएसपी झज्जर, वीरेंद्र सिंह पुलिस उपायुक्त सोनीपत, नवीन कुमार सहायक उप निरीक्षक हिसार, राजबाला महिला उप निरीक्षक गुरुग्राम, राम पाल निरीक्षक यमुनानगर, सुनील कुमार उप निरीक्षक कमांडो नेवल करनाल, सुरेंद्र प्रताप हेड कांस्टेबल राज्य अपराध शाखा पंचकुला, वीरेंद्र कुमार एएसआई पंचकुला, युद्धवीर सिंह सब इंस्पेक्टर एंटी करप्शन ब्यूरो गुरुग्राम और जोगिंदर सिंह एएसआई रोहतक शामिल हैं। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार अग्रवाल ने सभी पुलिस अधिकारियों और जवानों को बधाई देते हुए कहा कि यह समस्त पुलिस बल के लिए बहुत की गौरव व सम्मान का क्षण है डीजीपी ने कहा कि हमारे पुलिस अधिकारियों की बहादुरी, प्रतिबद्धता व अथक प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान से पुलिस पदक से अलंकृत होने वालों के साथ-साथ अन्य अधिकारियों व जवानों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने सभी को प्रोत्साहित करते हुए भविष्य में और अधिक सफलता की कामना भी की।

पानीपत में एमपी-एमएलए ने उड़ाई यातायात नियमों की धज्जियां : तिरंगा यात्रा में बिना हेलमेट चलाई बुलेट

पानीपत ।देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर बीजेपी हर राज्य और जिले में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। इसी क्रम में हरियाणा क पानीपत जिले में चारों विधानसभा में बीजेपी के नेता तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं। सोमवार को ग्रामीण विधानसभा के विधायक महिपाल ढांडा ने इस यात्रा का आयोजन किया। जिसमें उन्होंने बाइक और कार पर सवार युवाओं के हाथों में तिरंगा थमा कर रैली निकलवाई। इसमें बीजेपी के करनाल लोकसभा से एमपी संजय भाटिया भी विशेष तौर पर शामिल हुए। यात्रा में शुरू से आखिर तक यातायात के नियमों की धज्जियां उड़ाई गई। एमपी संजय भाटिया, वार्ड 2 पार्षद पवन गोगलिया ने बुलेट बाइक पर तिरंगा यात्रा निकाली। इनके अलावा अन्य वार्ड पार्षदों ने भी बाइक चलाई। सभी ने बिना हेलमेट लगाए दुपहिया वाहनों को सड़कों पर दौड़ाया है। एमपी के पीछे ग्रामीण विधायक महिपाल ढांडा सवार थे। इसके अलावा इन नेताओं की सह पर यात्रा में शामिल हुए करीब 650 युवाओं ने बिना हेलमेट के ही बाइक, स्कूटी इत्यादि दौड़ाई। कई दुपहिया वाहनों पर तीन सवारियों भी सवार थी। वार्ड 13 से पार्षद शिवकुमार शर्मा, वार्ड 16 से पार्षद अतर सिंह रावल, वार्ड 7 से पार्षद अशोक कटारिया, जिला परिषद चेयरमैन ज्योति शर्मा, मार्किट कमेटी चेयरमैन अजमेर मलिक, पार्षद संजीव दहिया, मोना शर्मा समेत अन्य लोग शामिल थे। यात्रा रेस्ट हाउस से शुरू हुई। यहां से लघु सचिवालय में शहीदी स्मारक पर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद टोल प्लाजा के आगे से घूमते हुए वापस राधा स्वामी सत्संग भवन मार्ग पर पहुंचे। यहां से बरसत रोड से होते हुए बिचपड़ी मोड़ पहुंचे। जहां यात्रा का समापन किया। करीब 3 साल पहले सीएम मनोहर लाल ने करनाल से हर सर हेलमेट अभियान की शुरुआत की थी। जिसके सांसद संजय भाटिया भी मुख्य रुप से शामिल थे। इसके बाद सांसद ने पानीपत में भी इसी अभियान के तहत करीब 1 साल पहले बिना हेलमेट वाले चालकों को हेलमेट बांटे थे। रविवार को पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज ने भी तिरंगा यात्रा निकाली थी। लेकिन यह यात्रा पैदल थी। यात्रा में केवल एक गाड़ी का इस्तेमाल किया गया था। जिसमें सनरुफ से भारत मां का रुप धारण की हुई छात्रा ही सवार थे। इसके अलावा विधायक, कई पार्षदों समेत अन्य लोग पैदल ही चल रहे थे।

फतेहाबाद में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवसः सीएम बोले- नादान लोग कहते हैं, उनका परिवार नहीं; मुझे हर एक का जन्मदिन याद

फतेहाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि कुछ नासमझ लोग कटाक्ष करते है कि इसको क्या पता इसका कौन सा परिवार है, लेकिन हरियाणा के करोड़ों लोग मेरे परिवार हैं। फैमिली आईडी हमने बनवाई, सब की जन्मथिति मेरे पास है, सबको मैं जन्मदिन की बधाई भिजवाता हूं। आलोचनाएं होती रहती हैं, छोटी सोच के लोग कुछ भी कहें, लेकिन प्रदेश की सेवा करने का लक्ष्य सामने है। सीएम ने कहा कि उनके अपने शरीर पर एक कपड़ा लेकर आए थे। फतेहाबाद में राज्यस्तरीय विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि भ्रष्टाचार खत्म करना, विकास कराना हमारा काम है। लोग कहते हैं समाज के लिए क्या किया। लेकिन पूरा प्रदेश मेरा समाज है। हम जिस माटी में, देश प्रदेश में रहते हैं, उसमें मिल कर और भाईचारा बना कर रहना है। मैंने ये नहीं कहा कि पंजाबी एक, मैंने कहा हरियाणा एक हरियाणवी एक। 1947 में बिना सामान यहां आए, उस समय आरक्षण देने की बात आई तो समाज के लोगों ने आरक्षण से मना किया। आज जो तरक्की अपने पैरों पर की है, शायद वो ना हो पाती। मेहनत परिश्रम से जो आगे बढ़े वो बढ़ते रहें। मनोहर लाल ने कहा कि देश के पीएम ने 2021 में विभाजन में पंजाबियों के दर्द की याद सारे देश को कराई। जब से देश आजाद हुआ, तब से हर सरकार जश्न मनाती आई है आजादी का। लोगों ने सपने संजोए, शहादत दी, लेकिन कटु सत्य है कि लोगों ने बहुत कीमतें चुकाई, लेकिन किसी ने एक बड़ी कीमत को नहीं याद किया। भारत माता के दो अंग काट दिए, एक पूर्व दूसरा पश्चिमी पाकिस्तान बना। इस पीड़ा को याद करना जरूरी है। विभाजन भूला नहीं जा सकता, लेकिन एक सकंल्प ले सकते हैं कि

भविष्य में देश की अखंडता को कोई खंडित नहीं करेगा। ये आजादी लाखों लोगों के खून से मिली। लोग इस डरावने मंजर को देखा, रोये, उनके आंसुओं से लिखी आजादी की कहानी है। सीएम ने कहा कि आज यहां जो लोग हैं, उन्होंने अपने दादी नानी से वो कहानियां सुनीं। 76 साल हो गए आजादी को। उस समय कोई 10-12 साल का हो तो उसे याद भी हैं। क्या पीड़ा दृश्य था कत्लेआम का। रास्ते मे गर्दनें उखाड़ दी गई। बेटियों माओं को बचाने के लिए अपने हाथों से भी मारना पड़ा। आज हम यहां उनकी शहीदी की बदौलत बैठे हैं। सीएम ने कहा कि पंचनद स्मारक बनाने के सकंल्प को लोग दिल मे लेकर बैठे हैं। वो संकल्प जरूर पूरा होगा। जो बात पीएम ने लाल किले से बोली उसको मैं दोहरा रहा हूं विभाजन की पीड़ा भुला नहीं सकते। उनकी याद में जगह जगह स्मारक बनाने का आह्वान पीएम ने किया। यह सामान्य घटना या दुर्घटना नहीं, जिसे कुछ समय बाद भूला दिया जाए। उन्होंने कहा कि महाभारत भी ऐतिहसिक घटना थी, जिसमें लाखों जानें गई, जो उस घटना में नायक थे उनको भगवान का दर्जा दिया गया।

क्योंकि एक सन्देश दिया कि न्याय की जीत होनी चाहिये। हर घटना सन्देश देती है। इसलिए उस पीड़ा को याद करते हुए हर वर्ष एक कार्यक्रम करेंगे। मेरे मन मे एक पीड़ा है कि मेरा परिवार भी उन्हीं परिवार में था। शरीर पर केवल एक कपड़ा था। पहले रोहतक के एक गांव में मजदूरी कर दोबारा से जीवन शुरू किया, फिर कुछ जोड़ कर महम से प्याज खरीद कर लाये। फिर गांव के दुकान खोली। फेरी लगाई, उस समय मैं छोटा था। फिर भाई अपने अपने काम मे लगे और आपके आशीर्वाद से मुझे आज यहां हरियाणा में यह स्थान मिला। कोई नहीं सोच सकता कि उस त्रासदी में शामिल परिवार का सदस्य यहां तक पहुंचा। इससे पहले कार्यक्रम में पंचनद स्मारक ट्रस्ट के संरक्षक स्वामी धर्मदेव ने कहा कि सारा देश आज छोटे बड़े रूप में आज का दिन मन रहा है। सारे देश मे सबसे बड़ा प्रोग्राम हरियाणा, फ़तेहाबाद में हो रहा। मुख्यमंत्री ने अपना जीवन प्रदेश को समर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के खून का कतरा कतरा और रोम रोम प्रदेश को समर्पित है। हर समाज अपने महानुभाव पर गर्व करता है। इसी प्रकार पंजाबी समाज सीएम मनोहर लाल पर गर्व क्यों न करे। आज स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आज जो कार्यक्रम मनाया रहा है तो आज फ़तेहाबाद का बच्चा बच्चा आज गदगद है। देश मे बहुत काम पहली बार हुए।

रोनाल्डो की विरोधी टीम में खेलेंगे नेमार जूनियर! सऊदी अरब के क्लब ने दिया 1455 करोड़ रुपये का ऑफर

पेरिस । ब्राजील के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी नेमार जूनियर अब सऊदी अरब में खेलते दिखाई दे सकते हैं। अल हिलाल ने उन्हें 160 मिलियन यूरो (करीब 1455 करोड़ रुपये) के ऑफर दिया है। क्लब ने सिर्फ दो साल के लिए नेमार के लिए इतने रुपये देने का मन बनाया है। 31 साल के नेमार फिलहाल फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट जर्मेन के खिलाड़ी हैं और क्लब ने उन्हें लीग-1 के पहले मैच में लॉरेंट के खिलाफ टीम में नहीं चुना था। पीएसजी को इस मैच में जीत नहीं मिली और मुकाबला 0-0 की बराबरी पर रहा। अल हिलाल की टीम शनिवार (12 अगस्त) को अरब क्लब चैंपियंस कप के फाइनल में अल नस्त्र के खिलाफ हार गई थी। अल नस्त्र की टीम के कप्तान पुर्तगाल के महान खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो हैं। रोनाल्डो ने सऊदी अरब में अपना

पहला खिताब जीता है। अगर नेमार अल हिलाल के साथ करार को पूरा करते हैं तो वह रोनाल्डो के खिलाफ खेलेंगे।

फ्रांसीसी आउटलेट एल इक्विप ने दावा किया है कि सौदा पूरा होने से पहले पीएसजी और अल हिलाल को ट्रांसफर की शर्तों पर सहमत होना होगा। अब ऐसा प्रतीत होता है कि फ्रांस में उनका समय समाप्त हो रहा है। नेमार सुपरस्टार फॉरवर्ड क्रिस्टियानो रोनाल्डो, सादियो माने, करीम बेंजेमा और रियाद महरेज, एंगोलो कान्टे जैसे स्टार खिलाड़ियों के नक्शेकदम पर चलते हुए मध्य पूर्व के लिए यूरोप छोड़ने के लिए तैयार हैं। दूसरी ओर, स्टार फुटबॉल किलियन एम्बाप्पे को पीएसजी ने मुख्य टीम में शामिल कर लिया है। लीग-1 के दूसरे मैच में टॉलूसे के खिलाफ उन्हें खेलने का मौका मिल सकता है। वह लॉरेंट के खिलाफ पहले मैच के लिए नहीं चुने गए थे। पीएसजी एम्बाप्पे के साथ अनुबंध की स्थिति को भी सुलझाने की कोशिश कर रहा है। अब ऐसा लग रहा है कि एम्बाप्पे क्लब के साथ अपने करार को बढ़ा सकते हैं। क्लब कथित तौर पर 2025 तक एक अनुबंध तैयार करने के लिए तैयार है, जिसमें 2024 में रियल मैड्रिड क्लब में जाने का विकल्प होगा। अगर ऐसा होता है तो एम्बाप्पे अगले साल फ्री में रियल मैड्रिड में नहीं जाएंगे और इससे पीएसजी को ट्रांसफर के लिए बड़ी रकम मिल सकती है। पेरिस सेंट जर्मेन के प्रेसिडेंट नासिर अल खिलाफी ने कहा, एम्बाप्पे वापस आ गए हैं और वह पीएसजी के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एशिया कप से पहले वनडे की नंबर 1 टीम बन सकती है पाकिस्तान

नई दिल्ली । एशिया कप के शुरू होने का इंतजार सभी क्रिकेट प्रेमी काफी बेसब्री के साथ कर रहे हैं. उससे पहले बाबर आजम की कप्तानी में खेलने वाली पाकिस्तान टीम के पास वनडे रैंकिंग में नंबर-1 की पोजीशन हासिल करने का शानदार मौका है. इस समय आईसीसी वनडे रैंकिंग में पहले नंबर पर 118 रेटिंग अंकों के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम काबिज है. वहीं पाकिस्तान की टीम 116 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे जबकि तीसरे नंबर पर 115 रेटिंग अंकों के साथ भारतीय टीम मौजूद है. पाकिस्तान की टीम को एशिया कप से पहले श्रीलंका में 22 अगस्त से अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है. इसमें पहले 2 मुकाबले हम्बनटोटा जबकि आखिरी मैच 26 अगस्त को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा. पाकिस्तान की टीम यदि इस सीरीज में क्लीन स्वीप करने में कामयाब होती है तो उसके 119 रेटिंग अंक हो जायेंगे. ऐसे में वह वनडे रैंकिंग में नंबर-1 की पोजीशन को हासिल कर लेगी. अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में पाकिस्तान एक भी मैच गंवाने पर अपनी दूसरी नंबर की पोजीशन को भी गंवा सकती है. यदि सीरीज का परिणाम 2-1 भी रहता है तो पाक टीम रैंकिंग में भारत से नीचे तीसरे स्थान पर चला जाएगा. वहीं यदि अफगानिस्तान इस सीरीज को अपने नाम करता है तो पाक टीम 111 अंकों के साथ सीधे तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगा. हालांकि यह काम अफगानिस्तान के लिए आसान नहीं होने वाला है. 30 अगस्त से शुरू होने वाला एशिया कप पहली बार हाइब्रिड मॉडल में खेला जा रहा है. इसमें कुछ मुकाबले पाकिस्तान में जब कुछ श्रीलंका में खेले जायेंगे. भारत और पाकिस्तान एशिया कप में एक ही ग्रुप में शामिल हैं और दोनों टीमों के बीच 2 सितंबर को श्रीलंका के पल्लेकेले स्टेडियम में मुकाबला खेला जाएगा.

हार्दिक पंड्या ने हार की जिम्मेदारी ली, कहा अंतिम 10 ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाया

लॉडरहिल। भारतीय कप्तान हार्दिक पंड्या ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में हार के लिए खुद को जिम्मेदार ठहराते हुए स्वीकार किया कि उनकी धीमी बल्लेबाजी टर्निंग प्वाइंट साबित हुई जिसके कारण टीम अंतिम 10 ओवरों में लय खो बैठी। वेस्टइंडीज ने आठ विकेट से यह मैच जीतकर श्रृंखला 3-2 से अपने नाम की।

यह पंड्या की अगुवाई में पहला अवसर है जबकि भारत ने सबसे छोटे प्रारूप में द्विपक्षीय श्रृंखला गंवाई। पंड्या ने 18 गेंदों पर 14 रन बनाए। उन्होंने मैच के बाद कहा,'' हमने अंतिम 10 ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। जब मैं बल्लेबाजी के लिए उतरा तो मैंने क्रीज पर पांव जमाने में समय लिया और फिर अंत तक नहींटिका रहा। मैं फायदा नहीं उठा पाया।'' पंड्या ने धीमी पिच पर पहले बल्लेबाजी करने के अपने फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा,'' मेरा मानना है एक टीम के तौर पर हमें खुद को चुनौती पेश करनी चाहिए। हम इन मैचों से सीख लेते हैं। आखिरकार यहां या वहां एक श्रृंखला मायने नहीं रखती लेकिन लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण होती है।'' पंड्या ने कहा,'' हमें अब वनडे विश्वकप में खेलना है और कई बार हारना अच्छा होता है। इससे आपको काफी सीख मिलती है। हमारे खिलाड़ियों ने जज्बा दिखाया। जीत और हार खेल का हिस्सा हैं और हम यह सुनिश्चित करने जा रहे हैं कि हम इससे सीख लें।'' भारतीय कप्तान ने युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और तिलक वर्मा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा,'' उन्होंने जज्बा दिखाया जो कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बेहद महत्वपूर्ण होता है। प्रत्येक युवा खिलाड़ी के अंदर विश्वास भरा है। यह ऐसी चीज है जिसे मैं अक्सर देखता हूं। उन्होंने अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाई। मैं उनके प्रदर्शन से खुश हूं।

ऑस्ट्रेलिया के सामने 24 साल बाद मेजबान विश्व विजेता बनने का मौका, स्वीडन को अनुभव का लाभ

नई दिल्ली । यह तो क्वार्टर फाइनल में स्वीडन के हाथों जापान की हार के साथ ही तय हो गया था कि इस बार नया फीफा महिला विश्व चैंपियन बनने जा रहा है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के सामने एक और इतिहास बनाने का मौका है। बीते 24 सालों में कोई भी मेजबान देश अब तक विश्व चैंपियन नहीं बन सका है। यह गौरव 1999 में अमेरिका ने हासिल किया था। ऑस्ट्रेलिया के पास भी इस इतिहास को दोहराने का मौका है। हालांकि सेमीफाइनल में उसके सामने बेहद मजबूत यूरोपियन चैंपियन इंग्लैंड है। वहीं सेमीफाइनल में पहुंची चारों टीमों में से सिर्फ स्वीडन को ही फाइनल में खेलने का अनुभव है। यह टीम 2003 के विश्वकप में उपविजेता रही थी। ऑस्ट्रेलिया इस विश्वकप में न्यूजीलैंड के साथ सहमेजबान है। अंतिम बार कोई मेजबान टीम फीफा महिला विश्वकप के सेमीफाइनल में 2003 में पहुंची थी। यह टीम भी

अमेरिका थी। अमेरिका ने 1999 और 2003 विश्वकप की मेजबानी की।

1999 में यह टीम विजेता बनीं और 2003 में चौथे स्थान पर रही। यानि ऑस्ट्रेलिया 20 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली मेजबान टीम बनी है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल में पहुंची चारों टीमों में सबसे कम रैंकिंग 12 है, लेकिन उसने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस जैसी टीम को पेनाल्टी शूटआउट में 7-6 से पराजित किया। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी के स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा, जिसमें 80 हजार से अधिक दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। इंग्लैंड की टीम की कोच सरीना विगमैन हैं। वह चारों टीमों में एकमात्र महिला कोच हैं। विगमैन का रिकॉर्ड शानदार हैं। उनकी कोचिंग में पिछले 37 मैचों में इंग्लैंड ने सिर्फ एक मैच हारा है, लेकिन यह हार उसे चार माह पहले ऑस्ट्रेलिया के हाथों 0-2 से मिली थी। विगमैन मानती हैं कि यह मुकाबला उम्मीदों से भी बड़ा होने जा रहा है। इंग्लैंड लगातार दो विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है, लेकिन उसे अब तक खिताब नसीब नहीं हुआ है। इंग्लैंड ने ब्रिस्बेन में 75 हजार सात सौ 84 दर्शकों के बीच कोलंबिया को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। स्वीडन सेमीफाइनल में पहुंची चारों टीमों में सर्वोच्च रैंकिंग तीन की टीम है। यह टीम 2003 विश्वकप के फाइनल में पहुंची और 2011, 2019 में तीसरे स्थान पर रही। टोक्यो ओलंपिक के फाइनल में उसे कनाडा के हाथों फाइनल में हार मिली। स्वीडन का सामना मंगलवार को पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचने वाली स्पेनिश टीम से होगा।

वो महान क्रिकेटर, जिसके साथ फोटो खिंचवाने के लिए लाइन लगाकर खड़ी हो गई पूरी भारतीय टीम

नई दिल्ली । खेल के इतिहास में ऐसे चुनिंदा क्रिकेटर्स हैं जो किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं. सर डॉन ब्रॉडमैन जाहिर है कि इस लिस्ट में पहले नाम होंगे. लेकिन सर गारफील्ड सोबर्स भी उन्हीं चुनिंदा क्रिकेटर्स में से एक हैं. अगर ब्रैडमैन को दुनिया के सर्वकालिक महानतम बल्लेबाज की श्रेणी में रखा जाता है तो सोबर्स की जगह भी उसी लिस्ट में है. अगर आपको बारबाडोस के इस बेहतरीन क्रिकेटर की महानता पर जरा सा भी शक है तो आपको इस हफ्ते वेस्ट इंडीज दौरे पर गई टीम इंडिया के क्रिकेटर्स का 86 साल के दिग्गज के साथ फैन ब्वॉय मोमेंट देखना चाहिए था. पूरी भारतीय टीम इस महान क्रिकेटर के साथ फोटो खिंचवाने के लिए ब्रिजटाउन में लाइन लगाए खड़ी थी. उसी दौरान इस लेखक से बातचीत में सोबर्स ने कहा, 'मैं अपने करियर के शुरुआती दिनों से ही भारत से बेहद प्यार करता हूं. बिशन सिंह बेदी और फारुख इंजीनियर जैसे मेरे कुछ बेहतरीन दोस्त आपकी सरजमीं से हैं.' आधुनिक क्रिकेट की एक बड़ी हस्ती भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ जब प्रैक्टिस सेशन के दौरान सोबर्स से मिले तो वो खुद बेहद सम्मोहित नजर आए. द्रविड़ इस खेल की बारीकियों को समझने के लिए हमेशा एक छात्र की तरह उत्सुक रहते हैं. वो इसकी परंपरा और महानता से भलीभांति परिचित हैं. सोबर्स से शुभमन गिल का परिचय कराते समय द्रविड़ ने कहा, 'ये भविष्य के भारत के सबसे उभरते हुए खिलाड़ी हैं.' विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे क्रिकेटर भी मुलाकात के समय तो बेहद शांत दिखे. लेकिन मुलाकात के बाद का रोमांच और चेहरे की चमक बता रही थी कि करियर के 93 मैच में 8 हजार से ज्यादा रन और 235 विकेट लेने वाले वेस्ट इंडीज के इस पूर्व कप्तान के लिए उनके मन कितना सम्मान है. गैरी सोबर्स ने आज की भारतीय बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा, 'हालांकि मैं टीवी पर आजकल ज्यादा मैच नहीं देख पाता हूं, लेकिन विराट और रोहित बेहतरीन खिलाड़ी हैं और नई पीढ़ी से उनका हमेशा लगाव

रहता है. आप लोगों को खुश होना चाहिए कि आपके पास अभी एक शानदार टीम है और इसमें से कुछ तो दुनिया में सबसे बेहतरीन हैं.' सोबर्स के साथ उनकी पत्नी भी आई हुई थीं. उन्होंने बताया कि कुछ साल पहले (कोविड-19 से पहले) दोनों मुंबई आए थे. अब उम्रदराज हो चुके सोबर्स ज्यादा बाहर नहीं निकल पाते लेकिन वो अपने पसंदीदा केनसिंगटन ओवल के उस मैदान पर अक्सर आते रहते हैं, जहां देश में पर्यटकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण का केंद्र मैदान के गेट पर लगी उनकी आदमकद प्रतिमा है. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा से बातचीत में सोबर्स ने पूछा कि अगली बार भारतीय टीम अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने कब आ रही है.

रोहित ने बताया कि इसी महीने के आखिर में दो वनडे मैच है. सोबर्स ने वादा किया कि वो रोहित की टीम को खेलते देखने जरूर आएंगे. टी20 में युवराज सिंह के 6 छक्के (2007 वर्ल्ड कप में स्टुअर्ट ब्रॉड की गेंद पर) से पहले एक ओवर में 6 छक्के रवि शास्त्री ने रणजी ट्राफी के एक मैच में तिलक राज की गेंद पर लगाए थे. लेकिन सबसे पहले एक ओवर में 6 छक्के का कीर्तिमान तो सोबर्स ने बनाया था. इंग्लिश काउंटी के एक मैच में मैल्कॉम नैश के एक ओवर में 6 छक्के लगाकर सोबर्स ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी का नजारा दुनिया को दिखाया. कई मायने में सोबर्स अपनी टीम से काफी आगे थे. जब उनसे पूछा गया कि क्या कभी उन्होंने सोचा था कि भारतीय क्रिकेट टीम दुनिया में इस कदर मजबूत बन जाएगी. सोबर्स ने छूटते ही कहा, 'भारत ने हमेशा सुनील गावस्कर जैसे कई बेहतरीन क्रिकेटर दिया है, लेकिन पिछले दो दशक में भारतीय क्रिकेट टीम की मैदान के भीतर और बाहर जो बादशाहत कायम हुई वो अविश्वसनीय है.'

ये बात एक ऐसी शख्सियत के मुंह से सुनना बेहद गौरवान्वित करने वाला है, जो खुद क्रिकेट के साथ ही गोल्फ, फुटबॉल और बास्केटबॉल में भी बारबाडोस का बादशाह रहा हो. ऐसा शायद वेस्टइंडीज में ही हो सकता है, जहां आप इतनी महान हस्ती से बिना किसी परेशानी के मुलाकात कर सकें. बस अपना परिचय दिया और अनुरोध किया. अपनी दूसरी व्यस्तता के बावजूद सोबर्स बातचीत के लिए तैयार हो गए. एक महान हस्ती की इस विनम्रता को कभी भुलाया नहीं जा सकता है. एक होनहार बालक जिसका 16 साल की उम्र में ही फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उदय हुआ. एक साल बाद ही अंतर्राष्ट्रीय करियर शुरू करते हुए कैरिबियन क्रिकेट के सबसे नामी हस्तियों में शामिल हो जाना सोबर्स की शख्सियत को बयां करता है. वेस्टइंडीज के ही सर विवियन रिचर्ड्स लगातार भारत आते रहते हैं. अलग-अलग मंच पर अपनी बात भी साझा करते हैं. लेकिन सोबर्स इस लाइमलाइट से दूर हैं. वो जहां रहते हैं वहां अभी सेलिब्रिटी कल्चर नहीं पहुंचा है. महान शख्सियत सोबर्स अब ड्रिंक के लिए किसी स्थानीय क्लब भी नहीं जाते. लेकिन बारबाडोस के हर शख्स के पास सोबर्स से जुड़ी अपनी एक कहानी है.

सावन के छठे सोमवार पर केसरिया हुई काशी, गंगा घाट से बाबा विश्वनाथ धाम तक 'बम-बम'

वाराणसी । सावन के छठवें और पुरुषोत्तम मास के अंतिम सोमवार पर द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख स्थान रखने वाले बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी शिव भक्तों से बम-बम है। हर-हर महादेव और बोल बम के गगनभेदी नारों के साथ नंगे पैर सड़कों पर कांवरियों का सैलाब उमड़ पड़ा है। विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र कांवरियों के कारण केसरिया रंग में रंगा नजर आ रहा है। गंगा द्वार से प्रवेश बंद है। गंगा घाट से लेकर काशी विश्वनाथ धाम और गोदौलिया-मैदागिन के पार तक का इलाका कांवड़ियों के भाव से केसरिया नजर आ रहा है। तेज धूप में भी भक्तों का उत्साह कम नहीं हो रहा। मंदिर परिसर को फूलों से सजाया गया है। काशी विश्वनाथ धाम में मंगला आरती से शुरू हुआ दर्शन पूजन व जलाभिषेक का सिलसिला अनवरत जारी है। भोग आरती के दौरान जलाभिषेक रुकने से कतार और लंबी हो गई। शाम पांच बजे तक साढ़े पांच लाख से अधिक शिवभक्तों ने विश्वनाथ दरबार में मत्था टेका। बाबा का जलाभिषेक गर्भगृह के बाहर लगे अरघे से ही किया जा रहा है। आस्था की डोर पर सवार भक्तों के आगमन से बाबा दरबार हर-हर बम-बम के नारों से गूंज रहा है। काशी के दूसरे शिवालयों में भी भीड़ जैसा नजारा है। गौरी केदारेश्वर, तिलभांडेश्वर महादेव, बैद्यनाथ महादेव, घृष्णेश्वर महादेव, काशी

विश्वनाथ बीएचयू, लोलार्क महादेव ,सीधेश्वर महादेव, वनखंडी महादेव में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है । सावन के छठे सोमवार पर सुरक्षा को लेकर विशेष चौकसी बरती गई। गंगा के घाटों से लेकर बाबा के दरबार तक चाक चौबंद व्यवस्था है। शिव भक्तों की सेवा के लिए विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने सेवा शिविर लगाए। मैदागिन स्थित विद्युत उपकेंद्र के पास इंडियन यूथ फाउंडेशन, लक्सा स्थित मारवाड़ी संघ के सामनेमारवाड़ी युवक संघ, गोदौलिया पर नागरिक सुरक्षा की ओर से सेवा शिविर लगाए गए। रथयात्रा स्थित कांवरिया शिविर में कांवरियों की चंपी भी कराई गई। सावन के छठवें और पुरुषोत्तम मास के अंतिम सोमवार को शिवभक्त पुत्र प्रथमेश के साथ भगवान शंकर और मां पार्वती का श्रृंगार होगा। श्रद्धालुओं को महादेव के इस स्वरूप के दर्शन सप्तऋषि आरती के बाद मिलेंगे। अब तक भक्त बाबा के पांच अलग-अलग स्वरूपों का दर्शन कर चुके हैं। भक्तों ने अब तक हर सोमवार को बाबा विश्वनाथ की चल प्रतिमा, गौरी शंकर स्वरूप, अमृत वर्षा स्वरूप, भागीरथी स्वरूप, तपस्यारत पार्वती स्वरूप के श्रृंगार के दर्शन किए हैं। सातवें सोमवार को देवाधिदेव के अर्धनारीश्वर स्वरूप का श्रृंगार होगा और अंतिम व आठवें सोमवार को महादेव का रुद्राक्ष श्रृंगार होगा। भक्तों ने अब तक हर सोमवार को बाबा विश्वनाथ की चल प्रतिमा, गौरी शंकर स्वरूप, अमृत वर्षा स्वरूप, भागीरथी स्वरूप, तपस्यारत पार्वती स्वरूप के श्रृंगार के दर्शन किए हैं। सातवें सोमवार को देवाधिदेव के अर्धनारीश्वर स्वरूप का श्रृंगार होगा और अंतिम व आठवें सोमवार को महादेव का रुद्राक्ष श्रृंगार होगा।

मथुरा की शाही ईदगाह में ज्ञानवापी जैसे सर्वे की मांग: सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल, कहा-निर्माण को मस्जिद नहीं मान सकते हैं

मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट ने वाराणसी में ज्ञानवापी की तरह ही शाही ईदगाह के विस्तृत वैज्ञानिक सर्वेक्षण की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह विवाद में नया मोड़ आ गया। वाराणसी में ज्ञानवापी की तरह ही शाही ईदगाह के वैज्ञानिक सर्वे की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट ने सुप्रीम कोर्ट में एक विशेष अनुमति याचिका दायर की है। इसमें वैज्ञानिक सर्वे की मांग की है। बता दें कि ज्ञानवापी में भारतीय पुरातत्व विभाग यानी ASI की टीम सर्वे कर रही है। श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट का प्रतिनिधित्व आशुतोष पांडे कर रहे हैं। वह सिद्धपीठ माता शाकुंभरी पीठाधीश्वर भगुवंशी के अध्यक्ष हैं। उन्होंने ही सुप्रीम कोर्ट में SLP दायर की। याचिकाकर्ता का

तर्क है कि इस तरह के निर्माण को मस्जिद नहीं माना जा सकता। इसके अलावा, 1968 में हुए समझौते की वैधता के खिलाफ तर्क देते हुए इसे दिखावा और धोखाधड़ी बताया है। याचिकाकर्ता भगुवंशी आशुतोष पांडे ने आरोप लगाया कि शाही मस्जिद ईदगाह प्रबंधन समिति जैसी संस्थाएं संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में शामिल रही हैं। उन्होंने दावा किया कि मंदिर के स्तंभों और प्रतीकों को नुकसान पहुंचाया गया है। जनरेटर का इस्तेमाल किया। इससे दीवारों और स्तंभों को ज्यादा नुकसान हुआ है। याचिकाकर्ता ने परिसर में होने वाली प्रार्थनाओं (नमाज) और अन्य गतिविधियों पर भी सवाल खड़े किए हैं। उनका तर्क है कि भूमि को आधिकारिक तौर पर ईदगाह नाम के तहत पंजीकृत नहीं किया जा सकता है। क्योंकि, इसका टैक्स कटरा केशव देव, मथुरा के उपनाम के तहत एकत्र किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के वकील सार्थक चतुर्वेदी ने यह याचिका दाखिल की है। इसमें विवादित भूमि की पहचान, स्थान और माप की जांच की मांग की है। इसमें दोनों पक्षों द्वारा किए गए दावों को प्रमाणित करने के लिए एक वैज्ञानिक सर्वेक्षण की आवश्यकता के लिए कहा गया है। कोर्ट से याचिकाकर्ता ने कहा है कि यह अनुरोध ज्ञानवापी में चल रहे एएसआई सर्वेक्षण से प्रेरित है। सर्वेक्षण से इस स्थल की ऐतिहासिक और स्थापत्य महत्व का पता लगाना है।

इससे पहले शाही ईदगाह में कोर्ट ने अमीन सर्वे के आदेश दिए थे। हालांकि, बाद में इस पर कोर्ट की अपर बेंच ने रोक लगा दी थी। फिलहाल, जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद से जुड़े मामले हाईकोर्ट में विचाराधीन हैं। उधर, जिस श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट ने यह याचिका दाखिल की है। वह ट्रस्ट कुछ ही महीनों पहले गठित हुआ है।

हरदोई में बढ़ने लगा रामगंगा, गंगा व गंभीरी नदी का जलस्तर...लोग तोड़ रहे अपने आशियाने

हरदोई । उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले के कटियारी इलाके में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। पांच नदियों से घिरे इस इलाके में लोग सम्भावित बाढ़ के खतरे से आशंकित है और नया ठिकाना तलाश रहे है। जहां रामगंगा, गंगा व गंभीरी नदी का जलस्तर बढ़ने लगा। जिससे कटियारी के लोगों पर बाढ़ का खतरा मड़राने लगा है। अरवल थाना क्षेत्र का चंद्रमपुर गांव रामगंगा नदी के कटान की जद में आया है, जिससे लोग पक्के मकान को तोड़ दूसरा आशियाना तलाश रहे है। बता दें कि जिले की रामगंगा व गम्भीरी नदियों का 2 दिनों से जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। अरवल थाना क्षेत्र में रामगंगा नदी के किनारे बसे लगभग आधा दर्जन से अधिक गांवो में कटान शुरू हो गया है। बाढ़ के आगोश में आने वाले गांवों में रामगंगा नदी का पानी घुसने की जानकारी मिलते ही तहसील प्रशासन सक्रिय हो गया है। रामगंगा नदी के किनारे बसे बम्हरौली गांव में प्राथमिक स्कूल बंद करने के निर्देश दिए गए है जबकि नन्दना,चन्द्रमपुर, खुर्रमपुरवा ,अलीशेर की मड़ैया व बेहटा मुड़िया गांवों का कटान शुरू हो गया है। इन गांवों में सैकडो एकड़ कृषि भूमि का कटान होकर फसले रामगंगा नदी में समाहित हो चुकी है। वहीं, बेहटा मुड़िया गांव में नदी के मुहाने पर बने कमलेश व महेश अपने मकानों को खुद गिराने में जुटे हुए है। इनके घर नदी से महज पांच मीटर दूर स्थित है। नदियों के जलस्तर बढ़ने की जानकारी मिलते ही नायब तहसीलदार लगातार क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। वहीं, एसडीएम डॉक्टर अरुणिमा श्री वास्तव ने बताया कि नदियों के जलस्तर में लगातार बृद्धि की जानकारी मिलते ही सभी बाढ़ राहत चौकियों को सक्रिय कर दिया गया है। साथ ही तहसील मुख्यालय पर कंट्रोल रूम स्थापित कर पल-पल जानकारी ली जा रही है। नदियों के किनारे बसे गांवों के लोगो को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचने के निर्देश दिए गए हैं।

कर्ज और सांड के हमले का दर्द बर्दाश्त नहीं होता...सीएम योगी और पीएम मोदी के नाम सुसाइड नोट लिख किसान ने दी जान

कानपुर । उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात में एक किसान ने आत्महत्या कर अपनी जान दे दी है। खुदकुशी करने से पहले उसने एक सुसाइड नोट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम लिखा। किसान का शव घर के पास ही लगे पेड़ पर फंदे से लटका मिला। देर रात लोगों ने देखा तो पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और मामले की जांच शुरु कर दी । बता दें कि यह पूरा मामला कानपुर देहात के मंगलपुर का है। जहां के निवासी चंद्रपाल सिंह (80) के पास सात बीघा खेतिहर जमीन है। उन्होंने दो महीने पहले पूर्वी बड़ौदा ग्रामीण बैंक की मंगलपुर शाखा से किसान क्रेडिट कार्ड पर 3.60 लाख रुपये खेतीबाड़ी के लिए कर्ज लिया था। वहीं उन्होंने पैसों की कमी के चलते अपना एक बीघा खेत गांव के ही एक व्यक्ति के पास गिरवी रखकर 60 हजार का कर्ज लिया था। एक दिन खेत में काम करते समय चंद्रपाल पर सांड ने हमला कर दिया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। परिवार वालों ने किसी तरह जुगाड़ लगाकर उसका इलाज कराया। तंगी के कारण चंद्रपाल कर्ज नहीं चुका पाया। कर्ज बढ़ने के साथ-साथ चंद्रपाल का तनाव भी बढ़ता गया। उसका यह मानसिक तनाव इतना बढ़ गया कि लोगों चंद्रपाल को खुदकुशी

के अलावा कोई और रास्ता नजर नहीं आया। उसने मरने से पहले सीएम योगी और पीएम मोदी के नाम पर सुसाइड नोट लिखा और फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव और सुसाइड नोट कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। किसान ने पत्र में लिखा था कि आदरणीय माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आदरणीय माननीय योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश आप को विदित हो कि मैं किसान चंद्रपाल सिंह मंगलपुर। मेरे पास मात्र सात बीघा जमीन है। मेरे एक लड़का व दो लड़की हैं।

दूसरे लड़के की मृत्यु हो गई है। दो नाती हैं। एक की शादी हो गई है। इनका पालन पोषण शादी आदि से मेरे ऊपर बैंक का 3.60 लाख का कर्जा है। एक बीघा खेत 60 हजार में गिरवी रखा है। आप लेखपाल बैंक से खुद पता कर लो। मुझे अन्ना सांड ने इतना पटक कर मारा है कि चल तक नहीं पाता। एक अन्य सांड मुझे मेरे दरवाजे पर ही मार डालता, अगर पड़ोसी सांड को नहीं भगाते। मैं तो बेहोश हो गया था। जिला पंचायत सदस्य संतोष ने बचा लिया। अब एक कर्ज का दर्द दूसरा सांड के मारे के दर्द से रात में मैं पीड़ा से चिल्लाता हूं, तो मैंने यह सोचा कि इस जीवन से मौत अच्छी है। इसी को गले लगा लिया। सभी गांव वाले और पड़ोस वाले मुझे मानते रहे। नमस्कार विशेष कर भंनसई वाले बच्चों। इनकी मैंने बहुत रोटी खाई।

हमारी गलती जो हुई हमारे को माफ कर देना। चंद्रपाल सिंह मैं ज्यादा दुखी हूं हरी के यहां अब मैं जा रहा। वहीं किसान की मौत के बाद सपा ने ट्वीट कर किसान को मुआवजा देने की मांग की है।